हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 4 फरवरी 2026

पिछली सरकार ने जनता को धोखा दिया था, हमने जो कहा करके दिखाया है: साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

हरिभूमि-आईएनएच जिला संवाद कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी ने पूछे सवाल

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद कार्यक्रम मंगलवार को कांकेर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव से छत्तीसगढ़ के विकास, भविष्य की योजनाओं पर संवाद किया। श्री साय ने कहा कि भाजपा सरकार के दो साल संकल्प और वादों को पूरा करने के रहे। हमने जो वादे सरकार से किए, उनको पूरा किया। प्रस्तुत है, इस संवाद कार्यक्रम के कुछ अंशः-

खास खबर

डा. हिमांशु- छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार को दो साल पूरे हो गए। कैसे रहे यह दो साल ?

अरुण साव- कांकेर जिला हमेशा से जागरूक और सक्रिय जिला रहा है। ऐसे कांकेर में आप आए हैं जिला संवाद करने, आपकी पूरी टीम का बहुत अभिनंदन। यह दो साल निश्चित रूप से उपलब्धियों भरा रहा है। मन को सुकून देने वाला रहा है। जिन संकल्पों को लेकर जनता के बीच गए थे, जो संकल्प और वादे जनता से किए थे। उन वादों को पूरा करने का यह दो वर्ष रहे हैं। चाहे 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास देने का काम हो, 70 लाख माताओं और बहनों को महतारी वंदन देने का मामला हो, किसानों से जो वादा किया दो साल का पुराना बोनस देंगे, वो दिया भी, और केवल 12 दिन में दिया। विकास जो अवरुद्ध हो गया था, उस विकास को फिर से आगे बढ़ाने का काम किया है। यह दो साल उपलब्धियों भरा रहा है, ऐतिहासिक रहा है।

डा. हिमांशु- आप अन्यथा न लें, जब संघर्ष की परिस्थितियां थी तो कमान आपने थाम रखी थी, उस समय जनता को बताते थे कि आपके साथ गलत हो रहा है, इस सरकार को बदल दो, ठीक कर देंगे। लोगों ने बदल तो दिया, पर आपको कप्तान की जगह पर उप कप्तान बना दिया। मन में कभी कोई निराशा, कोई खिन्नता तो नहीं आती ?

अरुण साव- मैंने बूथ के अध्यक्ष से अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की। एक छोटे से कार्यकर्ता को पार्टी ने न केवल सांसद बनाया, प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी, अब उप मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी है। एक छोटे से कार्यकर्ता के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि आज वो राज्य के उप मुख्यमंत्री के रूप में जनता की सेवा कर कर रहा है। जहां तक संकल्प और वादे मैंने आपको गिनाए, हमने लडाई लड़ी, जो प्रधानमंत्री आवास से वंचित हुए हैं, उनके चेहरे पर मुस्कुराहट लाएंगे। हमने जो कहा, वह कर दिखाया है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास देने का काम किया है। हमने माताओं और बहनों के साथ न्याय करने की बात कही थी। आज एक साल की सरकार में 24 किस्तें माताओं और बहनों के खाते में भेजा। यह हमारे लिए सुकून की बात है। हमने किसानों से जो वादे किए थे कि दो साल का पुराना बोनस देंगे, कांग्रेस पार्टी ने भी किया था, पांच साल नहीं दिया। हमने केवल 12 दिन में वो वादा पूरा किया। किसानों के साथ न्याय करने की बात हो, युवाओं के साथ न्याय करने की बात हो। हमने कहा था, कि पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच करवाएंगे, पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच हुई और दोषी लोग आज जेल में है। हमने जो कहा, वह कर के दिखाया। ⏭ शेष पेज 8 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114621/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152813/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति ने जाजपुर मंदिर में 'पिंड दान' अनुष्ठान किया

भुवनेश्वर/जाजपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 'पिंड दान' अनुष्ठान करने के लिए मंगलवार सुबह ओडिशा के जाजपुर जिले में बिरजा मंदिर पहुंचीं। मुर्मू ने अपने पूर्वजों की आत्माओं की शांति के लिए मंदिर परिसर में स्थित पवित्र तालाब 'नवी गया' में 'पिंड दान' किया। 'पिंड दान' अनुष्ठान शुरू करने से पहले मुर्मू ने 13वीं शताब्दी के देवी बिरजा मंदिर की पूजा अर्चना की। दुर्गा के दो हाथों वाले रूप में की जाती है, जिसमें वह एक हाथ से महिषासुर की छाती में भाला घोंप रही हैं और दूसरे हाथ से उसकी पूंछ खींच रही हैं।

मणिपुर में बम-बारूद सहित दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के दो जिलों में अलग-अलग घटनाओं में सुरक्षा बलों ने हथियार और विस्फोटक बरामद कर दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। हथियार और विस्फोटक के ये जखीरे तेंगनोपाल जिले के बोंगमोल तथा एसएल जौगम गांवों के पास पाए गए। पुलिस ने बताया कि एक मैगजीन सहित एक एके-47 राइफल, दो पिस्तौल, दो सिंगल-बैरल राइफल, 11 कारतूस, तीन रेडियो सेट और आईईडी के तार बरामद किए गए। घटनास्थल पर ही 18 आईईडी को 'सुरक्षित रूप से निष्क्रिय' कर दिया। प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक कार्यकर्ता और कांगलेई यावोल कन्ना लुप के एक अन्य सदस्य को इंफाल में गिरफ्तार किया गया।

महिसागर में नौका पलटी लोगों ने 10 को बचाया

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी में एक छोटी नौका मंगलवार को पलट गई। नौका में सवार सभी 10 यात्रियों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। महिसागर नदी वडोदरा के पादरा तालुका में मुजपुर गांव और दूसरी ओर खेड़ा जिले के गम्भीरा के बीच बहती है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह लगभग 10 यात्री मुजपुर की तरफ से एक छोटी नौका में सवार होकर गम्भीरा जा रहे थे। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी की मौत हुई।

सरकार का पहला बयान, गोयल बोले- राष्ट्रीय हितों का रखा गया ध्यान

अमेरिकी ट्रेड डील पर देश को गर्व, पीएम का सम्मान, निवेशकों की झोली में 12 लाख करोड़

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब सरकार ने दिया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया से कहा कि इस डील में किसी के भी हितों से समझौता नहीं किया गया है। यह एक ऐसी डील है जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा। इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा जिससे व्यापार और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका से हुई इस डील के बाद संसद परिसर में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक में एनडीए सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया। सभी सांसदों ने एक दूसरे को बधाई दी। इस डील के बाद शेयर बाजार में भी जबर्दस्त उछाल आया जिससे निवेशकों को 12.10 लाख करोड़ का लाभ हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि यह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगा और इससे व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे तथा परस्पर विकास को बढ़ावा मिलेगा। शाह ने 'एक्स' पर कहा कि यह समझौता हमारे युवाओं और उद्यमियों के लिए अपार अवसरों के मार्ग खोलेगा। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इससे अमेरिका को होने वाले भारतीय ⏭ शेष पेज 8 पर

राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं किया गया : पीयूष गोयल

अमेरिका से ट्रेड डील पर भारत सरकार का पहला बयान आया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया से कहा कि इस डील में किसी के भी हितों से समझौता नहीं किया गया है। यह एक ऐसी डील है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया है, उनके हितों की रक्षा की। इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा। इससे हमारे इंजीनियरिंग सेक्टर्स के पार्ट्स बनाने वाले, टेक्सटाइल, मरीन गुड, ज्वेलर सेक्टर समेत सभी मैन्यूफेक्चरिंग सेक्टर को बहुत सारे मौके मिलेंगे।

सेंसेक्स में 2073 अंक का आया उछाल

पार्टनरशिप ऊंचाइयों तक ले जाने उत्सुक हूं : मोदी

वहीं पीएम मोदी ने लिखा- जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र एकसाथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे हमारे लोगों को लाभ होता है और आपसी सहयोग के नए और बड़े मौके खुलते हैं। मैं ट्रंप के साथ मिलकर काम करने और हमारी पार्टनरशिप को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उत्सुक हूं।

निवेशकों की झोली में आए 12.10 लाख करोड़

घरेलू शेयर बाजार की बड़ी छलांग से निवेशकों की पूंजी एक ही कारोबारी सत्र में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स समझौते की घोषणा के बाद 4,205.27 अंक चढ़कर 85,871.73 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 2,072.67 अंक की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ।

इन कंपनियों के शेयर में आया उछाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से अदानी पोर्ट्स के शेयरों में 9.12 प्रतिशत की तेजी आई। अन्य प्रमुख विजेताओं में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल थे। टेक महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ही इस मामले में पिछड़ गए।

राहुल बोले- मोदी ने देश बेचा, वो कॉम्प्रोमाइज्ड हैं

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी ट्रेड डील में देश बेच दिया है। आपकी मेहनत को खून-पसीने को बेच दिया है, क्योंकि वे कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है, यह असल में मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ से बाहर रहने की शर्त पर मिली जमानत

पूर्व मंत्री कवासी को जमानत पर छग में नहीं रह सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद प्रदेश के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा से संबंधित मामलों में कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत याचिका को कड़ी शर्तों पर मंजूरी दी है। हालांकि जमानत के दौरान कवासी लखमा को जांच पूरी होने तक छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, साथ ही उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने के साथ प्रदेश के बाहर कौन से राज्य, शहर और स्थान पर रहेंगे, इसकी पूरी जानकारी मोबाइल नंबर के साथ थाने में देनी होगी।

लगभग सालभर से जेल में बंदः शराब घोटाला मामले की जांच करते हुए ईडी ने जनवरी 2025 में कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। सात दिन तक रिमांड पर पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेजा गया था। इसके बाद से वे रायपुर सेंट्रल जेल में ही बंद थे। इस मामले में लखमा के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में उनकी जमानत के लिए अर्जी लगाई थी। इस अर्जी पर मंगलवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई की। इस दौरान लखमा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, सिद्धार्थ दवे और हर्षवर्धन परघनिया ने पैरवी की। दो घंटे से अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने लखमा की जमानत अर्जी को मंजूरी दे दी।

शराब घोटाला में लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलने का आरोप

ईडी ने अपनी जांच में लखमा पर कई आरोप लगाए हैं। राज्य में शराब घोटाले से सरकारी खजाने को 2100 करोड़ रुपए का नुकसान ⏭ शेष पेज 8 पर

शर्तों पर दी गई जमानत

बताया जा रहा है कि लखमा को जमानत कुछ शर्तों पर दी गई है। इसके तहत लखमा को जमानत के दौरान छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, लेकिन वे कहां रहेंगे, उनके ठिकाने की जानकारी संबंधित थाना में मोबाइल नंबर और पासपोर्ट के साथ जमा करना होगा। शर्त में यह भी शामिल है कि राज्य में वे तभी प्रवेश कर सकेंगे, जब उनकी पेशी की तारीख होगी।

इलाज में लापरवाही का लगाया था आरोप

रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कवासी लखमा ने करीब दो माह पूर्व पेशी में शामिल होने के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया था कि उसका स्वास्थ्य खराब है, लेकिन जेल में उनका सही इलाज नहीं किया जा रहा है।

अंतरिक्ष से भारत को पहली बार देखा, यही यादगार पल

रायपुर। भारतीय वायु सेवा के ग्रुप कैप्टन और अशोक चक्र से सम्मानित अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी नवा रायपुर में प्रोजेक्ट अंतरिक्ष संगवारी शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान स्कूली बच्चों ने शुभांशु से अंतरिक्ष यात्रा को लेकर रोचक सवाल पूछे। एक छात्र ने पूछा कि आपके जीवन और अंतरिक्ष में सबसे यादगार पल कौन सा है? जिसका जवाब देते हुए शुभांशु ने कहा कि जब अंतरिक्ष से भारत को पहली बार देखा था। इस दौरान शुभांशु ने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अनुभव को भी साझा बच्चों का ज्ञान बढ़ाया।

कुत्ते को बचाने के प्रयास में पलटी कार व्यापारी की मौत, पत्नी व बच्चे घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

डौण्डीलोहारा थानातंर्गत ग्राम संबलपुर नर्सरी के पास सड़क पर अचानक आए कुत्ते को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कार पलट गई। पलटने से कार चला रहे व्यापारी की मौत हो गई। हादसे में टीचर पत्नी और 2 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार भूपेंद्र गुप्ता (42 वर्ष) देवरी पासौद में किराना दुकान चलाते थे। उनकी पत्नी मुक्ता गुप्ता (37 वर्ष) राघोनावागांव स्थित सरकारी स्कूल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ थी। पति- पत्नी अपने दो बच्चों के साथ 2 फरवरी को दो बच्चों के साथ बालोद में एक परिजन के घर मिलने आए थे। 3 फरवरी को सुबह कार से पूरा परिवार घर देवरी पासौद लौट रहा था। डौंडीलोहारा ब्लॉक मुख्यालय से 4 किमी दूर संबलपुर नर्सरी के पास सड़क पर एक कुत्ता आ गया। ⏭ शेष पेज 8 पर

शीशा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला गया

मौके पर पहुंचे राहगीरों और स्थानीय लोगों ने कार का शीशा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला और फौरन पास में अस्पताल पहुंचाया। जहां तीनों का घायलों का इलाज जारी है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

सोशल साइट्स का असर, कम उम्र में भी लग्जरी कार खरीद रहे युवा

चीन में चल रही ड्राइवरलेस कार की टेस्टिंग, उड़न छू नहीं उड़ने वाली कारों का सपना, भविष्य में संभव

रायपुर पहुंचे मर्सिडिज के सेल्स एंड मार्केटिंग वाइस प्रेसिडेंट ब्रेंडन सिसिंग से हरिभूमि की खास बातचीत

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

मर्सिडिज ने ड्राइवरलेस कार इजाद की है। हम इसकी टेस्टिंग चीन में ऑन रोड कर रहे हैं। यदि यह प्रयोग सफल हो जाता है तो चीन में ड्राइवरलेस कारें दौड़ती हुई मिलेंगी। वहां इसके लिए रेगुलेशन हैं। यदि भारत में नियम सपोर्ट करे तो हम यहां भी चालकरहित वाहन की टेस्टिंग करेंगे। यह कहना है मर्सिडिज के सेल्स एंड मार्केटिंग डिपार्टमेंट के

खास खबर

वाइस प्रेसिडेंट ब्रेंडन सिसिंग का। वे रायपुर में कंपनी संबंधित एक कार्यक्रम का हिस्सा बनने पहुंचे थे। उन्होंने मर्सिडिज के नए मॉडल सहित लग्जरी कारों के ⏭ शेष पेज 8 पर

80 प्रतिशत लग्जरी गाड़ियां फायनेंस में

सिसिंग का मानना है कि इंस्टाग्राम रिल्स, सोशल साइट्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के कारण लग्जरी कारों का मार्केट बढ़ला है। एक समय था, जब लोग बचत करके परिपक्व होने पर लग्जरी कारें खरीदा करते थे। अब ऐसा नहीं है। सोशल साइट्स और खासकर रिल्स में बेहतर दिखने ⏭ शेष पेज 8 पर

भारत में ग्राहकों से जुड़ना अधिक महत्वपूर्ण

साउथ अफ्रीका में जन्मे और मलेशिया, जर्मनी सहित कई देशों में अपनी सेवाएं दे चुके सिसिंग अन्य देशों की तुलना में भारत में मार्केटिंग स्ट्रेटजी में अंतर पाते हैं। उनका कहना है कि भारत में मार्केटिंग के अन्य पहलुओं पर ध्यान देने के साथ-साथ ग्राहकों से जुड़ना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए अनुशासन जरूरी है। भारतीय बाजारों में ⏭ शेष पेज 8 पर

हाईकोर्ट ने 67 उप अभियंताओं की नियुक्ति निरस्त की

ग्रामीण अभियांत्रिक सेवा में भर्ती प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ था

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने ग्रामीण अभियांत्रिक सेवा में नियुक्त 67 उप अभियंताओं (सिविल) की नियुक्तियों को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया है और कहा है कि भर्ती प्रक्रिया वैधानिक नियमों के विपरीत की गई थी।

याचिकाकर्ता रवि तिवारी ने अधिवक्ता शाल्विक तिवारी के माध्यम से ग्रामीण अभियांत्रिक सेवा वर्ष 2011 की भर्ती प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका पेश की थी। याचिका में भर्ती प्रक्रिया की वैधता की समीक्षा करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि

विज्ञापन के अनुसार अभ्यर्थियों के पास कट-ऑफ तिथि तक निर्धारित शैक्षणिक योग्यता होना अनिवार्य था, जबकि कई नियुक्त अभ्यर्थियों ने आवश्यक डिग्री अथवा डिप्लोमा बाद में प्राप्त किया, जिससे उनकी नियुक्तियाँ प्रारंभ से ही अवैध हो गईं।

विज्ञापन से अधिक पदों पर नियुक्ति

न्यायालय ने यह भी पाया कि जहाँ केवल 275 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, वहीं उससे अधिक पदों पर नियुक्तियाँ की गईं, जो सेवा कानून के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत है। सुनवाई के दौरान यह आग्रह भी किया गया कि नियुक्त अभ्यर्थियों ने लगभग 14 वर्षों की सेवा पूरी कर ली है, इसलिए उनके मामलों में सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाए। न्यायालय ने इस दलील को अस्वीकार करते हुए कहा कि लंबी सेवा अवधि किसी अवैध नियुक्ति को वैध नहीं बना सकती, और न ही सहानुभूति के आधार पर वैधानिक शर्तों से समझौता किया जा सकता है। इन तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने 67 उप अभियंताओं की नियुक्तियां निरस्त कर दीं।

सीजीएमएससी की समीक्षा में खरी-खरी, स्वास्थ्य मंत्री की दो टूक- आंकड़े नहीं, काम बताएं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शासकीय चिकित्सा संस्थानों को दवाइयों सहित अन्य संसाधन उपलब्ध कराने वाले सीजीएमएससी की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अफसरों को आड़े हाथों लिया। दवाइयों, उपकरणों की खरीदी के लिए जारी टेंडर की जानकारी पर उन्होंने आंकड़ा नहीं, पूरे किए गए काम बताने की हिदायत दी। संबंधित खरीदी हर हाल में 31 मार्च तक पूरा करने और लचर निर्माण कार्यों को तेजी के साथ समय पर पूरा करने कहा।

सीजीएमएससी द्वारा काफी समय से थोक में टेंडर जारी किए गए हैं मगर वर्क आर्डर किसी पर जारी नहीं किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की मौजूदगी में हुई समीक्षा बैठक के दौरान यह मामला सामने आया। उन्होंने जारी टेंडरों की संख्या बताने के बजाए अफसरों को पूरा किए गए कार्यों के बारे में बताने जोर दिया। अफसरों को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि

चिकित्सकीय उपकरणों की खरीदी 31 मार्च तक पूर्ण करने की हिदायत

किसी भी स्थिति में अति आवश्यक दवाइयों की कमी नहीं होनी चाहिए और उनकी आपूर्ति समय पर सुनिश्चित की जाए। दवा आपूर्ति प्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता, स्टॉक एवं एक्सपायरी की रीयल टाइम जानकारी प्राप्त करने हेतु एक लाइव ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए। दवाइयों एवं मेडिकल उपकरणों के गुणवत्ता परीक्षण से संबंधित सभी मापदंडों का कठोरता से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक महस्के, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, सीजीएमएससी के एमडी रितेश अग्रवाल के साथ अन्य अफसर मौजूद थे।

उठाव नहीं करने वालों पर कार्रवाई होगी

बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि कई जिले दवाईयों की बड़ी डिमांड भेजते है। प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब दवा उठाव की बारी आती है तो उनकी द्वारा लापरवाही की जाती है। मंत्री ने ऐसे जिलों के जिम्मेदारों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगले दो महीने में सभी अत्यावश्यक मेडिकल उपकरणों की खरीदी पूर्ण करने तथा प्रयोगशालाओं के लिए रिएजेंट की उपलब्धता शीघ्र सुनिश्चित की जाए।

कालेज निर्माण की सुस्ती पर नाराज

स्वास्थ्य मंत्री ने महासमुंद, कांकेर एवं कोरबा मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान बरती जा रही सुस्ती पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य में 12 नवीन नर्सिंग कॉलेज एवं 6 नवीन फिजियोथेरेपी कॉलेजों के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया गया।

कोयला घोटाला में सूर्यकांत के फरार ड्राइवर की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाले के सरगना सूर्यकांत तिवारी के ड्राइवर की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस एनके व्यास ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आर्थिक अपराध बेहद गंभीर प्रकृति के होते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर होता है। एसीबी, ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, कोयला घोटाले के मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी का ड्राइवर नारायण साहू उसका सबसे भरोसेमंद सहयोगी और सिंडिकेट का मुख्य कैश हैंडलर था। एसीबी की जांच में पता चला कि उसने कोयला सिंडिकेट की ओर से करीब 13 करोड़ रुपए की अवैध नगदी इकट्ठा की थी।

सूर्यकांत तिवारी के निर्देश पर इसमें से करीब 7.5 करोड़ रुपए अलग-अलग रसूखदार अधिकारियों और नेताओं तक पहुंचाए थे। आयकर विभाग की डायरियों में भी नारायण से प्राप्त नगद और नारायण को दिया गया नगद जैसी कई एंट्री मिली हैं, जो इस अवैध नेटवर्क में उसकी सक्रिय भूमिका की पुष्टि करती है।इस मामले में एसीबी उसकी तलाश कर रही है और आरोपी पिछले दो सालों से फरार है। गिरफ्तारी की आशंका से बचने के लिए उसने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। उसके वकील ने दलील दी कि वह केवल ड्राइवर था, एफआईआर में उसका नाम नहीं है और अन्य सह-आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।वहीं, राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि आरोपी दो साल से फरार है, उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी है और उसने जांच में कोई सहयोग नहीं किया। सभी तथ्यों पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मजबूत साक्ष्य मौजूद हैं और समानता का सिद्धांत इस मामले में लागू नहीं होता। इसके चलते अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

अवैध संतान भी पिता से गुजारा-भत्ता पाने की हकदार, पिता की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के विवाद केस में पति की याचिका को खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस की सिंगल बेंच ने अपने आदेश में कहा कि, सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अवैध संतान भी अपने पिता से भरण-पोषण पाने का हकदार है। सिंगल बेंच ने कहा कि, इस कानून का मुख्य उद्देश्य समाज में बेसहारा होने और दर-दर भटकने की स्थिति को रोकना है।

दरअसल, बेमेतरा जिला निवासी युवक की शादी 22 अप्रैल 2016 को हुई थी। शादी के बाद गौना की रस्म 18 मई 2016 को हुई। जिसके बाद पत्नी अपने ससुराल आई। लेकिन, गौना के महज पांच महीने के भीतर ही 22 अक्टूबर 2016 को पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया। इस पर पति ने आरोप लगाया कि, गौना से पहले उनके बीच कोई शारीरिक संबंध नहीं बने थे, इसलिए वह बच्चा उसका नहीं है। इसी विवाद के चलते उसने अपनी पत्नी से रिश्ता तोड़ दिया।

फैमिली कोर्ट ने माना पति के साथ क्रूरता

जिसके बाद पत्नी ने भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट में अर्जी लगाई। इस पर फैमिली कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी और बच्चे को भरण पोषण देने का आदेश दिया था। वहीं, पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में अर्जी लगाई। इस मामले में फैमिली कोर्ट ने माना था कि पत्नी शादी से पहले ही किसी अन्य व्यक्ति से गर्भवती हुई थी।फैमिली कोर्ट ने इसे क्रूरता ठहराते हुए पति के पक्ष में तलाक की डिक्री जारी की थी। इस फैसले के आधार पर पति ने सीआरपीसी की धारा 127 के तहत भरण-पोषण बंद करने की मांग की थी। फैमिली कोर्ट ने पत्नी का भरण-पोषण तो बंद कर दिया, लेकिन बच्चे के लिए हर महीने 1 हजार रुपए मासिक भत्ता जारी रखने का आदेश दिया।

धारा 125 एक कल्याणकारी प्रावधान

पति ने फैमिली कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अपील में उसने कहा कि जब यह साबित हो चुका है कि वह बच्चा उसका जैविक पुत्र नहीं है, तो वह उसे गुजारा भत्ता क्यों दे? हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए पति के तर्कों को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि, सीआरपीसी धारा 125 एक कल्याणकारी प्रावधान है, जो बच्चों को सुरक्षा प्रदान करता है। भले ही बच्चा अवैध संतान की श्रेणी में आए, फिर भी वह कानूनन गुजारा भत्ता पाने का हकदार है।

जनवरी के बिजली बिल में एफपीपीएएस शुल्क का डबल झटका, फिर मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को एफपीपीएएस शुल्क में कम से कम जनवरी के बिल में तो राहत नहीं मिली है। इस माह भी डबल झटका लगेगा। जहां पिछले माह का बचा 8.21 फीसदी शुल्क लिया जाएगा, वहीं इस माह का 4.14 फीसदी शुल्क भी लिया जाएगा। ऐसे में कुल मिलाकर 12.35 फीसदी शुल्क लिया जाएगा। एक राहत वाली बात यह है कि इस माह का शुल्क 4.14 फीसदी ही तय होने के कारण इस माह का कोई शुल्क नहीं बचेगा। ऐसे में अगले माह जो शुल्क तय होगा, वही लिया जाएगा, तो डबल झटका नहीं लगेगा, लेकिन यह शुल्क कितना होगा, उसके हिसाब से पता चलेगा कि कितने फीसदी का झटका लगेगा।

बिजली का नया टैरिफ बीते साल जुलाई से लागू होने के कारण वैसे ही बिजली महंगी हो गई थी। ऐसे में जब बीते साल अगस्त के बिल के समय एफपीपीएएस शुल्क तय हुआ तो यह 14.20 प्रतिशत आया। ऐसे में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने

अगले माह थोड़ी राहत की संभावना, जनवरी में बिजली 12.35 फीसदी महंगी

इसका आधा 7.10 फीसदी ही अगस्त के बिल में वसूली करने का फैसला किया। ऐसे में जब सितंबर में अगस्त का बिल आया तो इसमें टैरिफ के साथ ही 7.10 फीसदी के हिसाब से एफपीपीएएस शुल्क लगा। इस माह तो राहत मिल गई लेकिन सितंबर में फिर से एफपीपीएएस तय किया गया तो 9.46 फीसदी आया। ऐसे में इसका 2.46 फीसदी ही सितंबर के बिल के साथ वसूला गया, लेकिन इसी के साथ अगस्त का पुराना सात फीसदी शुल्क भी लिया गया। अक्टूबर में जो सितंबर का बिल आया, उसमें एक तरफ जहां 2.46 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया, वहीं पुराना सात फीसदी शुल्क एडजस्टमेंट कास्ट के रूप में लिया गया। इसके बाद दिसंबर में जो नवंबर का बिल आया इसमें 12 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क का झटका लगा। नवंबर में अक्टूबर का 9.59 फीसदी और नवंबर का 2.41 फीसदी शुल्क दिसंबर के बिल में लिया गया।

अब नए साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था। उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क है, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल है। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। अब बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया जाएगा। फरवरी में जब जनवरी का बिल आएगा तो उसमें पुराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया जाएगा तो ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगेगा।

रायपुर से भिलाई-दुर्ग की राह होगी आसान, ट्रैफिक होगा फास्ट, जाम से मिलेगी मुक्ति

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर और ट्विन सिटी भिलाई-दुर्ग के बीच निर्बाध आवागमन एवं फास्ट ट्रैफिक के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर सिरसा गेट चौक तथा खुर्सीपार गेट चौक पर ग्रेड सेपरेटर बनाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव की पहल पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए 77 करोड़ 36 लाख रुपए मंजूर किए हैं। भारत सरकार द्वारा राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना के तहत इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के लिए

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने स्वीकृत किए 77.36 करोड़

राशि स्वीकृत की गई है।

रायपुर और दुर्ग के बीच सिरसा गेट एवं खुर्सीपार चौक पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण से दोनों ओर आने-जाने वाले वाहनों को कहीं भी रूकना नहीं पड़ेगा। दोनों शहरों के बीच कुम्हारी चौक, डबरा पारा, पॉवर हाउस चौक और सुपेला चौक पर पहले ही फ्लाईओवर्स के निर्माण किए जा चुके हैं। सिरसा गेट तथा खुर्सीपार चौक पर भी इसके निर्माण की मांग लोग लगातार कर रहे थे।

उद्योगों को भी मिलेगी राहत

जनआकांक्षाओं को देखते हुए तथा दोनों शहरों के बीच निर्बाध व फास्ट ट्रैफिक के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के समन्वित पहल से इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण की मंजूरी मिली है। यह सड़क रायपुर-भिलाई-दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी काफी महत्व रखती है। अब दोनों शहरों के बीच के सभी चौकों पर फ्लाईओवर्स एवं ग्रेड सेपरेटर्स के निर्माण से इस सड़क से गुजरने वाले यात्रियों के साथ ही यहां संचालित उद्योगों को भी काफी राहत मिलेगी।

सरपंच पर जानलेवा हमला, 2 गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टेकारी में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सरपंच पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों में दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं मुख्य आरोपी सहित तीन लोग अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम टेकारी में 30 जनवरी की रात में मढ़ई मेला लगा था, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी चल रहा था। इस कार्यक्रम के दौरान तड़के करीब साढ़े चार बजे गजेंद्र वर्मा, दिलेंद्र निषाद, भूपेश निषाद, मुकेश निषाद, मनीष विश्वकर्मा, ईश्वर विश्वकर्मा अपने अन्य साथियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच के पास आकर हुल्लड़ कर रहे थे, जिससे कार्यक्रम में बाधा पहुंच रही थी। इसे देखकर गांव के सरपंच चंद्रकांत वर्मा ने आरोपियों को हुल्लड़ करने से मना किया, तो इस बात पर वे सरपंच से विवाद करते हुए उसके साथ गाली-गलौच कर मारपीट करने लगे। इस दौरान गजेंद्र वर्मा ने लोहे की राड से सरपंच के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के दौरान गांव में रहने वाले कामेश वर्मा, यशवंत धीवर एवं यशकांत वर्मा ने बीच-बचाव भी किया। इस बात पर आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। इनमें से पुलिस ने ईश्वर और मनीष विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है।

रायपुर और राजनांदगांव में 32 डिग्री के तेवर, रात के मौसम में बदलाव नहीं

रायपुर। फरवरी के तीसरे दिन पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रायपुर और राजनांदगांव में सूरज ने अपने 32 डिग्री का तेवर दिखाया। इसके पूर्व रात के मौसम में किसी तरह का बदलाव महसूस नहीं किया गया। देश के मौसम को प्रभावित करने वाला पश्चिमी विक्षोभ 5 के बाद 8 फरवरी को भी सक्रिय होगा। अभी सुबह-सुबह ठंड के कारण गर्म कपड़े की आवश्यकता होती है, इसके बाद दिन चढ़ने के साथ ही धूप अपना असर दिखाने लगती है। पिछले तीन दिन से सबसे अधिक तापमान वाले शहर में रायपुर के साथ राजनांदगांव का नाम भी जुड़ गया। मंगलवार को दोनों शहरों का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

शराब की कीमत नहीं बढ़ेगी, सरकार ने कहा- अभी केवल ड्यूटी की दरें तय हुईं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में साफ किया है, अभी केवल शराब पर लगने वाली ड्यूटी तय की गई है। सरकार को यह बात इसलिए कहनी पड़ी है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार ये अटकलें और अफवाह फैल रही थी कि राज्य में शराब की कीमत 1 अप्रैल से बढ़ने वाली है। राज्य शासन ने इस संबंध में कहा है कि शासन द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार वर्तमान में केवल देशी / विदेशी मदिरा एवं बियर पर ड्यूटी दरें निर्धारित की गई हैं, जिसमें से अधिकतर मदिरा की ड्यूटी दरें गत वर्ष अनुसार यथावत रखी गई है। चीप रेंज एवं देशी मदिरा की ड्यूटी दरों में ही आंशिक परिवर्तन किया गया है। मदिरा के फुटकर विक्रय दरों का निर्धारण मदिरा की ड्यूटी दर, मदिरा की खरीदी दर, सीव्हीडी दर, अधिभार दर एवं अधोसंरचना शुल्क आदि के आधार पर किया जाता है। आबकारी विभाग के अधिकारियो ने बताया कि वर्तमान में वर्ष 2026-27 के लिए रेट ऑफर, मदिरा की खरीदी दर, सीव्हीडी दर, अधिभार दर एवं अधोसंरचना शुल्क संबंधी कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इसलिए अभी यह कहना सही नहीं होगा कि मदिरा की फुटकर विक्रय दरों में वृद्धि होगी।

MAKHIJA IVF & FERTILITY CENTRE

Faith

परामर्श हेतु कौन महिला संपर्क कर सकती हैं?

- बंद फेलोपियन ट्यूब, Low AMH
- अण्डों का न बनना, समय पर न फूटना (PCOD)
- बच्चेदानी में गांठ, बच्चेदानी में दीवार
- ओवरी सिस्ट, चॉकलेट सिस्ट
- एंडोमेट्रियोसिस, एडिनोमायोसिस
- माहवारी बंद होना, माहवारी का अनियमित होना
- बार-बार गर्भपात होना, महिला नसबंदी

बंद फेलोपियन ट्यूब में भी IVF जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से माँ बनना संभव हो पा रहा है...

IVF में 10000/- की छूट

परामर्श हेतु कौन पुरुष संपर्क कर सकते हैं?

- शुक्राणुओं की मात्रा कम होना
- शुक्राणुओं की मात्रा निल होना
- शुक्राणु की गुणवत्ता में कमी होना
- शुक्राणुओं के आकार में खराबी होना
- पुरुष नसबंदी

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें या अपनी रिपोर्ट भेजें 8085758585

हम आपके परिवार को पूरा करते हैं...

माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

Life begins here

माखीजा हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक के पास, टेलीफ़ोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

उपलब्ध सेवाएं - फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेज़र हैचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • लेप्रोस्कोपी • हिस्ट्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

बिलासपुर
बुधवार 4 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 25, अंक : 313
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 16.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
समाचार ही नहीं, विचार भी

7 जसप्रीत से लेकर दिलप्रीत तक...

विचार पेज
4 जसप्रीत से लेकर दिलप्रीत तक, टी20

जनगणना में फर्श, दीवार, छत के साथ बताना होगा गंदे पानी की निकासी, पूछे जाएंगे 33 सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सहित देशभर में अगले साल से जनगणना शुरू होनी है। यह काम कैसे करना है, इसकी जानकारी भारत सरकार के गृहमंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय) ने जुटाने के निर्देश दिए हैं।

खास बात ये है कि जनगणना करने वालों को अब जनता यह जानकारी देगी कि उनके घर का फर्श कैसा है, घर की दीवारें और छत किस सामग्री से बनी है, घर से गंदे पानी की निकासी कैसे होती है। यही नहीं, ये भी बताना होगा कि घर में खाना बनाने के लिए कौन से ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार के गृह विभाग ने इस संबंध में गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) द्वारा जनगणना के दौरान जनता से पूछे जाने वाले सवालों का ब्योरा जारी किया है। इस संबंध में कहा गया है कि सभी जनगणना अधिकारियों, जिसके लिए उन्हें नियुक्त किया गया है, अपनी नियुक्ति से संबन्धित स्थानीय क्षेत्रों की सीमाओं के भीतर भारत की जनगणना 2027 के संबंध में मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना अनुसूचियों के माध्यम से जानकारी एकत्र करने के लिए इसके संबंध में सभी व्यक्तियों से इस प्रकार के प्रश्न पूछें।

सवालों का ब्योरा जारी किया गृह विभाग ने

घर का मुखिया कौन घर में कितने कमरे हैं

जनगणना करने वाले अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले सवालों की सूची में और बहुत से बिंदु शामिल है। ये भी पूछा जाएगा कि . परिवार में सामान्यतः रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या कितनी है, परिवार के मुखिया का नाम क्या है और उसका लिंग। यानी महिला है या पुरुष। क्या परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,अन्य से संबंधित है। मकान के स्वामित्व की स्थिति क्या है। परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या कितनी है।

पानी कहां से लाते हैं, बाथरूम है या नहीं

जनगणना करने वालों के सवालों में ये बात भी शामिल होगी कि घर में पेयजल का मुख्य स्रोत क्या है, इसकी उपलब्धता कैसी है। घर में प्रकाश का मुख्य स्रोत क्या है, शौचालय की सुलभता के बारे में पूछने के साथ यह सवाल भी होगा कि शौचालय का प्रकार क्या है। घर से गंदे पानी की निकासी कैसे होती है। स्नानगृह(बाथरूम) की उपलब्धता के बारे में बताने के साथ यह भी बताना होगा कि रसोईघर और एलपीजी,पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता कैसी है। खाना पकाने के लिए प्रयुक्त मुख्य ईंधन क्या है।

रेडियो, ट्रांजिस्टर है या टीवी इंटरनेट

जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर ये जानकारी भी हासिल करने के घर में रेडियो ट्रांजिस्टर चलता है या टेलीविजन है, इंटरनेट सुविधा के साथ लैपटॉप कंप्यूटर है या नहीं। घर में टेलीफोन, मोबाइल फोन स्मार्ट फोन है या नहीं। ये जानकारी भी मांगी जाएगी कि घर में साइकिल स्कूटर,मोटरसाइकिल मोपेड कौन सी गाड़ी है। घर में कार जीप या वैन है। इसके साथ ही ये भी पूछा जाएगा कि . परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाले मुख्य अनाज कौन सा है। जनगणना अधिकारी आपका मोबाइल नंबर भी लेंगे, लेकिन इसका उपयोग केवल जनगणना संबंधी कार्यों के लिए किया जाएगा।

ये होंगे सवाल जिनका देना होगा जवाब

जनगणना अधिकारी जब आपके घर आएंगे तो वे 33 बिंदुओं के आधार पर सवाल करके जवाब मांगेंगे और यही जानकारी जनगणना संबंधी प्रपत्र में शामिल किए जाएंगे। जनगणना की जानकारी में सबसे पहला सवाल भवन नंबर (नगर या स्थानीय प्राधिकरण अथवा जनगणना नंबर), जनगणना मकान नंब र, मकान के फर्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री,जनगणना मकान के दीवार में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, जनगणना मकान के छत में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, मकान के उपयोग क्या होता है, मकान की हालत क्या है। परिवार क्रमांक क्या है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राहुल ने की चर्चा की शुरुआत और हो गया हंगामा

सांसद मेज पर हुए खड़े, पेपर फाड़कर उछाला, नारेबाजी के साथ जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भाषण देने से रोकने पर विपक्षी सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर कागज फाड़कर उड़ाए और हंगामा किया, जिस पर कार्रवाई की गई है। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के 8 सांसदों को लोकसभा की कार्यवाही से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रस्ताव पारित किया था, जिसे पारित कर दिया गया और कार्यवाही बुधवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस घटना के बाद विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

विपक्षी सांसदों के निलंबन के बाद सदन में भारी हंगामा हो गया इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही को बुधवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं, विपक्षी सांसदों को निलंबित किए जाने के विरोध में विपक्षी दल राहुल-प्रियंका के साथ मिलकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। दरअसल, मंगलवार को लोकसभा में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने अचानक हंगामा शुरू कर दिया और स्पीकर की कुर्सी की ओर पेपर फेंके। इसके बाद स्पीकर ने कार्यवाही को तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दिया था। इसके बाद जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही तीन बजे चौथी बार शुरू हुई तो इस अनुशासनहीन व्यवहार को लेकर पीठासीन ने पेपर उछालने वाले सदस्यों को नेम करने की बात कही। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पेपर उछालने वाले सदस्यों को बाकी सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया।

कांग्रेस सहित विपक्षियों ने किया विरोध प्रदर्शन

इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सदस्यों ने लोकसभा से पार्टी सदस्यों के सस्पेंशन के खिलाफ संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को ही बोलने नहीं दिया जाएगा तो बाकी विपक्षी सांसदों को कौन सुनेगा।

अन्य पार्टियों के सांसदों ने भी नहीं बोला

कार्यवाही के दौरान पीठासीन अधिकारी ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद अगले वक्ताओं के नाम पुकारे। इस पर विपक्षी दलों ने विरोध जताया। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने भी बोलने से इनकार कर दिया। इससे सदन में तनाव और बढ़ गया। विपक्षी सांसदों का कहना था कि सरकार उनकी आवाज को दबा रही है।

इन सांसदों पर हुई कार्यवाही

लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस सांसद मणिकम टैगौर, अमरिंदर सिंह वारिंग, गुरजीत सिंह औलिया, हेबी एडिन, प्रशांत पटोले, किरन रेड्डी और एस वेंकेटेश को निलंबित किया गया है। आरोप है कि उन्होंने सदन में स्पीकर की कुर्सी के पास आकर हंगामा किया और कागज फाड़कर उनको कुर्सी के पास उड़ा दिए। सांसदों को निलंबित करने के बाद सभा की कार्यवाही को बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

अटल टनल में गिरा एवलांच बाल-बाल बची गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शिमला

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिला में मंगलवार दोपहर के वक्त दो जगह एवलांच गिरे। अटल टनल के साउथ पोर्टल पर एवलांच में आधी गाड़ी दब गई। गनीमत यह रही कि एवलांच गिरते ही ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भागने में कामयाब रहा। इससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। बीआरओ के कर्मचारी बर्फ में दबी गाड़ी को काफी देर की मशक्कत के बाद निकाला।

■ हिमाचल प्रदेश की घटना

इस बीच, किन्नौर और लाहौल स्पीति जिला में एवलांज गिरने की चेतावनी जारी की गई है। ऐसे में टूरिस्ट सहित लोकल लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने चंबा, कुल्लू लाहौल स्पीति व किन्नौर जिला में हल्की बर्फबारी और शिमला में कुछ जगह बारिश के साथ 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफान चलने का अलर्ट जारी किया है। शिमला में दोपहर 3 बजे के बाद आधा घंटे तक बारिश हुई। सुबह के वक्त किन्नौर और लाहौल स्पीति जिला की ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी हुई। मनाली में सुबह अच्छी बारिश हुई, जबकि मैदानी इलाकों में घना कोहरा छाया। इससे बिलासपुर शहर और भाखड़ा बांध के आसपास बिजिबिलिटी 50 मीटर से भी नीचे गिर गई।

पर्वतारोहियों के लिए पहली बार खुलीं 83 हिमालयी चोटियां

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड सरकार ने साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पहली बार सभी पर्वतारोहियों के लिए खोल दिया है। इस फैसले के साथ भारतीय पर्वतारोहियों को इन चोटियों पर चढ़ाई के लिए लगने वाली सभी सरकारी फीस पूरी तरह माफ कर दी गई है, जिससे अब पर्वतारोहण पहले की तुलना में आसान और सस्ता हो गया है। यह निर्णय उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पर्वतारोहण गंतव्य के रूप में स्थापित करने तथा साहसिक पर्यटन को नई गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्बयाल ने कहा, 'उत्तराखंड हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक नहीं, बल्कि साहस, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। यह निर्णय राज्य के साहसिक पर्यटन को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देगा। यह पहल न केवल पर्वतारोहण गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि सीमावर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को सुदृढ़ करेगी।

ये हैं प्रमुख चोटियां

इस पहल के अंतर्गत 5,700 मीटर से 7,756 मीटर तक ऊंचाई वाली पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण हेतु अधिसूचित किया गया है। इनमें कामेट, नंदा देवी (पूर्वी), चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली, नीलकंठ सहित अनेक प्रतिष्ठित हिमालयी शिखर सम्मिलित हैं।

पर्वतारोहियों के लिए प्रमुख प्रावधान

भारतीय पर्वतारोहियों के लिए : अधिसूचित 83 पर्वत चोटियों पर पर्वतारोहण हेतु भारतीय पर्वतारोहियों को राज्य सरकार को किसी भी प्रकार का अभियान शुल्क (पीक शुल्क, कैंपिंग शुल्क, पर्यावरण शुल्क आदि) नहीं देना होगा। यह निर्णय देश के युवा पर्वतारोहियों एवं साहसिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

विदेशी पर्वतारोहियों के लिए: विदेशी पर्वतारोहियों से पूर्व में वन विभाग द्वारा लिया जाने वाला अभियान शुल्क पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है। अब उन्हें केवल भारतीय पर्वतारोहण संस्था, नई दिल्ली (आईएमएफ) द्वारा निर्धारित शुल्क का ही भुगतान करना होगा। सभी पर्वतारोहण आवेदन उत्तराखंड माउंटेनियरिंग परमिशन सिस्टम (यूकेएमपीएस) के माध्यम से किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता, त्वरित अनुमोदन तथा समन्वित प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।

अब दो दिन और खरीदा जाएगा धान, सरकार ने बढ़ाई तारीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार ने धान खरीदी की अवधि को दो दिन और बढ़ाने का फैसला किया है। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी अब 6 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश के बाद तारीख को बढ़ाया गया है। धान खरीदी के लिए पहले 31 जनवरी अंतिम तारीख रखी गई थी। ▶▶शेष पेज 8 पर

- जिन किसानों के टोकन कट चुके उनसे 5 और 6 फरवरी को खरीदा जाएगा धान
- समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। एक भी किसान का धान बिना बिके न रहे, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अतिरिक्त दिनों में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से पूरी की जाए।

जिलों से मिली रिपोर्ट के बाद निर्णय

उल्लेखनीय है कि धान खरीदी समाप्त होने के बाद कई जिलों में किसानों ने आरोप लगाया कि उनका टोकन कटा होने के बाद भी उनसे धान की खरीदी नहीं की गई। राज्य सरकार ने इसके आधार पर यह निर्देश जारी किया था कि जिला स्तर पर यह पता लगाया जाए कितने ऐसे किसान हैं जो टोकन होने के बाद भी धान नहीं बेच पाए। इसकी रिपोर्ट की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। 28, 29 और 30 जनवरी को जिन किसानों का टोकन कटा था और वे धान नहीं बेच पाए थे उनका ही धान लिया जाएगा।

आज की चर्चित तस्वीर...

नई दिल्ली। यह तस्वीर आज चर्चा में रही इसमें रायपुर लोकसभा के भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और दिग्विजय सिंह से ससंद भवन के बाहर चर्चा करते हुए।

बाल-बाल बचीं पंकजा मुंडे, उड़ान से पहले हेलीकॉप्टर में आई खराबी

संभाजी नगर। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और भाजपा नेता पंकजा मुंडे के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई है। उड़ान से पहले ही हेलीकॉप्टर में खराबी का पता चलने से एक बड़ा हादसा टल गया है। पंकजा मुंडे मंगलवार को जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए लातूर जा रही थीं। जानकारी सामने आई कि संभाजीनगर से लातूर के लिए पंकजा हेलीकॉप्टर से जाने वाली थीं। छत्रपति संभाजीनगर से लातूर के लिए उड़ान भरने से पहले ही पायलट को यह खराबी दिखी।

डेटा शेयरिंग के नाम पर निजता के अधिकार से समझौता बर्दाश्त नहीं

सुप्रीम कोर्ट की व्हाट्सएप-मेटा को फटकार कहा- 'संविधान नहीं मान सकते, तो भारत छोड़ दें'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर मेटा को सख्त चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि तकनीकी कंपनियां भारत में रहकर नागरिकों के निजता अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं। अदालत ने यहां तक कह दिया कि अगर कंपनियां संविधान का पालन नहीं कर सकतीं, तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। अदालत मेटा और व्हाट्सएप की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती दी है। इस फैसले में प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा 2021 की व्हाट्सएप प्राइवेसी पॉलिसी पर लगाए गए 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने को बरकरार रखा गया था। बता दें कि ने भी एक अलग अपील दाखिल कर एनसीएलएटी के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें विज्ञापन के लिए यूजर डेटा साझा करने की अनुमति दी गई थी।

9 फरवरी को आएगा अंतरिम आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी इस याचिका में एक पक्ष बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कंपनियों को चेतावनी दी है कि या तो वे डेटा शेयर न करने का लिखित आश्वासन दें।

कोर्ट ने उठाए कई अहम सवाल

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि व्हाट्सएप के बाजार में दबदबे के कारण यूजर्स के पास सीमित विकल्प हैं। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या आम लोग कंपनी की जटिल प्राइवेसी पॉलिसी को समझ सकते हैं।

सरकार ने रखा अपना पक्ष

सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यूजर्स का डेटा केवल संग्रहित ही नहीं किया जा रहा, बल्कि उसका व्यावसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। वहीं अदालत ने यह भी पूछा कि व्हाट्सएप किस तरह यूजर डेटा का इस्तेमाल टारगेटेड विज्ञापन के लिए करता है।

ममता का बड़ा ऐलान, कहा- किसी से भी गठबंधन नहीं करेगी उनकी पार्टी

टीएमसी ने कांग्रेस को दिया झटका, अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव

इस साल होने हैं पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा संकेत देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। पार्टी नेतृत्व ने ऐलान किया है कि टीएमसी राज्य में किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी और अपने दम पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का मानना है कि पार्टी की जमीनी पकड़ और संगठनात्मक मजबूती उसे अकेले चुनाव लड़ने में सक्षम बनाती है। इसी भरोसे के साथ पार्टी ने सहयोगी दलों से दूरी बनाते हुए स्वतंत्र रूप से चुनावी मैदान में उतरने का निर्णय लिया है। टीएमसी के इस फैसले को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की लोकप्रियता और पार्टी के मजबूत जनाधार से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी का मानना है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बरकरार है और उसे किसी बाहरी समर्थन की जरूरत नहीं है।

राजनीतिक समीकरणों पर पड़ेगा असर

टीएमसी के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले से राज्य के राजनीतिक समीकरणों में बदलाव तय माना जा रहा है। विपक्षी दलों के लिए यह रणनीति नई चुनौती बन सकती है, क्योंकि अब मुकाबला सीधा तृणमूल कांग्रेस से होगा। बीते जनवरी महीने में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी (पश्चिम बंगाल) के चेयरमैन बीके हरिप्रसाद ने कहा था कि स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक हुई। उन्होंने बताया था कि पार्टी हाईकमान जल्द ही पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेतृत्व के साथ बैठक करेगा ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को फाइनल किया जा सके। माना जा रहा था कि कांग्रेस को टीएमसी के साथ गठबंधन की उम्मीद थी।

2021 में टीएमसी ने जीती थीं 215 सीटें

2021 विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने जोरदार प्रदर्शन किया था। चुनाव नतीजों में बीजेपी जहां 77 सीटों पर पहुंच गई थी तो वहीं टीएमसी की सीटों की संख्या बढ़कर 215 हो गई थी। इससे पहले 2016 के चुनावों में टीएमसी ने 211 सीटें जीती थीं। पहले चुनावों में जब टीएमसी ने वामदलों को सत्ता से हटाया था तब ममता बनर्जी की टीएमसी ने 184 सीटें हासिल की थीं। 2021 के चुनावों में ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी का वोट शेयर 48 फीसदी के पास चल गया था। बीजेपी को 38.15 फीसदी वोट मिले थे। बीजेपी 2021 में 3 सीटों से सीधे 77 पर पहुंची थी तब राज्य में कमाम दिलीप घोष के पास थी। 2024 लोकसभा चुनावों में भी टीएमसी का प्रदर्शन अच्छ रहा था। अभी बंगाल में एसआईआर पर घमासान मचा हुआ है।

पिछले चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन

2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने वाम दलों और इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हालांकि, पार्टी 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल की राजनीति मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर केंद्रित है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा ने राज्य में अपना संगठन विस्तार किया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता मिली। वहीं 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा मुख्य विपक्षी दल के तौर पर उभरा।

खबर संक्षेप

7 महीने बाद जेल से बाहर आए पूर्व मंत्री मजीठिया

अमृतसर। पंजाब के पूर्व मंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल के सीनियर नेता बिक्रम सिंह मजीठिया मंगलवार को पटियाला की नाभा जेल से बाहर आ गए।

उन्होंने बाहर आते ही समर्थकों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने मूंछों पर ताव दिया। समर्थकों को संबोधित करते हुए मजीठिया ने कहा- जितना सरकार ने दबाया, उतनी ताकत मिली। दिल्ली हुक्मरानों के साथ ईंट से ईंट टकरानी है। मुझे इस बात की प्रेरणा मिली है। जेल में भी मैं भगवंत मान और केजरीवाल के नाम वाले तकिए गोड्डे थल्ले रखकर सोता था।

न्यायालय: श्रीमती नम्रता नोरगे, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, चांपा, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
समंस/ईश्तहार
उत्तराधिकार प्र.क्र.-03/2025
पेशी दिनांक - 09/02/2026
प्रोसेस नम्बर-169/2026
30.01.2026
कविता दिवाकर वगैरह ...विरूद्ध...
कु.वर्षा दिवाकर वगैरह

आवेदक कविता दिवाकर, बेवा-स्व. टीकाराम दिवाकर, उम्र-37 वर्ष, निवासी- टोण्डा, थाना उरगा तहसील बरपाली, जिला-कोरबा (छ.ग.), के द्वारा प्रतिवादी के विरूद्ध वाद वास्ते उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बाबत वाद प्रस्तुत किया गया है, जिसमें प्रतिवादी...आम जनता जिनका हित हो।

की उपस्थिति दिनांक 09/02/2026 को ठीक 11:00 बजे जवाब देने के लिए उपसंजात उपस्थिति के लिए नोटिस/ईश्तहार/समंस जारी किया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिया गया हो और इस वाद के सभी सारवान प्रश्न का उत्तर दे सकें। न्यायालय में आप लोगों के उपसंजात के लिए जो दिन नियत किया गया है, उस दिन अपना जवाब/उपस्थिति या अन्य कोई दस्तावेज जो संबंधित हो, पेश करने के लिए प्रतिरक्षा के लिए तैयार रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि, उपर बनायी गयी **तारीख 09/02/2026** को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होने पर वाद का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जावेगा।

टीप: अगर उक्त पेशी दिनांक को न्यायालय का अवकाश हो जाता है या मैं अवकाश पर रहता/रहती हूं या किसी वजह से कार्य स्थगित हो जाता है, तो वाद की सुनवाई आगामी कार्य दिवस में की जावेगी और उक्त तिथि को अनुपस्थित रहते हैं तो आपके अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 30/01/2026 को न्यायालय के मोहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(श्रीमती नम्रता नोरगे) व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, चांपा, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

अमेरिका राष्ट्रपति ने कहा था, भारत बंद करेगा रूसी तेल खरीदना

ट्रंप के ऐलान पर रूस बोला- नई दिल्ली से नहीं मिला हमें अब तक कोई संकेत

एजेंसी ▶▶| मास्को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस मामले पर अब रूस का बयान भी सामने आ गया है। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद वह रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार समझौते के ऐलान के साथ कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टैरिफ में ढील देने के समझौते के तहत रूसी तेल खरीदना बंद करने का वादा किया है। इस पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एएफपी से बातचीत में कहा, 'अभी तक हमें इस मामले पर नई दिल्ली से कोई बयान नहीं मिला है।'

सिर्फ तेल-गैस तक सीमित नहीं भारत-रूस के रिश्ते

रूस ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत-रूस संबंध केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग दशकों पुराना है। मॉस्को का कहना है कि वह वैश्विक दबावों के बावजूद इस साझेदारी को बनाए रखना चाहता है। भारत ने हाल के वर्षों में रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद में काफी वृद्धि की है, जिससे रूस उसके शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन गया है।

रूस-भारत की साझेदारी के विकास को भी देते हैं महत्व

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस भारत के साथ संबंधों पर ट्रंप की टिप्पणियों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, 'हम अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं। लेकिन हम रूस और भारत के बीच एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी के विकास को भी उतना ही महत्व देते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है और हम दिल्ली के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने का इरादा रखते हैं।'

अमेरिका से हुई है ट्रेड डील

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल की खरीदने की वजह से 25 फीसदी टैरिफ लगाया था। यह उस पारस्परिक शुल्क से अलग था, जिसे ट्रंप ने भारत के लिए 25 फीसदी कर दिया था। ट्रंप ने सोमवार को रूसी तेल खरीद बंद करने और व्यापार बाधाओं को कम करने के बदले में भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है।

यह कहा विशेषज्ञों ने : भारत सरकार की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से यह पुष्टि नहीं की गई है कि वह रूस से तेल खरीदना पूरी तरह बंद कर देगी।

भारत ने की कार्रवाई की मांग

ऑस्ट्रेलिया में गांधीजी की कांस्य प्रतिमा काटकर ले गए चोर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में महात्मा गांधी की 426 किलोग्राम वजनी कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर के बाहर लगी थी। इस घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। भारत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के समक्ष उठाया है

दोपहर की है घटना : यह घटना सोमवार को लगभग दोपहर 12:50 बजे हुई। मेलबर्न पुलिस के मुताबिक, तीन अपराधियों ने प्रतिमा को उसके फाउंडेशन से काटने के लिए एंगल ग्राइंडर का इस्तेमाल किया।

भारत सरकार ने की निंदा : विदेश मंत्रालय के अधिकारी और आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल नेकहा हम गांधी प्रतिमा के विनाश और चोरी की कड़ी निंदा करते हैं। यह प्रतिमा रोवविले, मेलबर्न के ऑस्ट्रेलियाई भारतीय कम्युनिटी सेंटर में स्थापित थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- अब इलाज जरूरी

'फैसले में देरी न्याय व्यवस्था की बन गई है गंभीर बीमारी'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स में फैसले सुनाने और उन्हें सार्वजनिक करने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह न्याय व्यवस्था की एक पहचान योग्य बीमारी बन चुकी है, जिसे अब जड़ से खत्म करना जरूरी है।

अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि समय पर न्याय न मिलना,

न्याय से वंचित किए जाने जैसा ही है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ झारखंड हाईकोर्ट से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश तो सुना दिया, लेकिन महीनों बाद भी उसका लिखित फैसला अपलोड नहीं किया गया।

एअर इंडिया ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच शुरू कर दी है। यह कदम रविवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलुरु के लिए संचालित एक विमान में स्विच के खराब होने की घटना के बाद उठाया गया है। इस समय एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787 या ड्रीमलाइनर विमान हैं। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया के उड़ान संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष उप्पल ने बोइंग 787 पायलटों को बताया कि एयरलाइन ने विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच की बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है। उप्पल ने कहा कि एक बी787 विमान पर फ्यूल कंट्रोल स्विच से जुड़ी खराबी का पता चलने के बाद एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम ने प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन के लिए मामले को बोइंग के पास भेजा है। उन्होंने मंगलवार को एक ईमेल में कहा कि इस बीच जब तक हम बोइंग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, हमारे इंजीनियरों ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए सामान्य संचालन को सत्यापित करने के लिए विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच की एहतियाती तौर पर फिर से जांच शुरू की है। आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे चालक दल उप्पल ने बी787 पायलटों को भेजे गए ईमेल में यह भी कहा कि जिन विमानों के लिए यह जांच पूरी हो चुकी है, उनमें कोई प्रतिकूल परिणाम नहीं मिले हैं।

■ लंदन-बेंगलुरु विमान का स्विच लॉक नहीं हो रहा था

भाजपा फॉर्म-7 के जरिए कर रही धांधली : अखिलेश

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में मंगलवार को दावा किया कि भाजपा फॉर्म-7 के जरिए बड़ी धांधली करने जा रही है। उन्होंने कहा, हमारे पास इसके पूरे सबूत हैं। हमारा कहना है कि हर फॉर्म पर नंबर होने चाहिए। अब तक के सारे जमा फार्म रिस्स्त हों। जो भरे गए हैं कि उनकी पूरी जांच हो। इसको पकड़ने के लिए एआई का सहारा लिया जाए। जो भी दोषी मिले उस पर सख्त कार्रवाई हो चाहिए। मुझे ये जानकारी सबसे सीतापुर से मिले।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (PROJECT),
Address : Third floor, SLDC Building, Dangania Raipur-492013. **GST No.22AADCC5773E1ZX**
Website : www.cspc.co.in Phone 0771-2574238/4245/4209 Fax:0771-2574246
No.02-04/NIT/TL/TR-25/10/**2572** Raipur/ **dtd.02/02/2026**
E-NOTICE INVITING TENDER (E-bidding)
(Tender No. TR-25/10)
Sealed tenders are invited from experienced Bidders for taking up the following Project on turnkey basis in Chhattisgarh State:-

Tender No.	Particulars	Cost of Tender Documents (To be deposited online) (Non-refundable) including 18 % GST	Earnest money Deposit (EMD)	Due date of opening of tender
TR-25/10 RFx No. 8100049285	Construction of– 1. 132 KV DCDS Line from 132/33 KV SS Chhuri (Khurd) to Proposed new 132/25 KV Railway TSS Matin (Korba) (RL-41.01 KM). 2. 2 No. 132 KV Feeder Bay at 132 KV SS Chhuri (Khurd). 3. 220KV DCDS Line from 220 KV SS Kotmikala to Proposed new 220/25 KV Railway TSS at Village – Bhadi (Korba) (RL-8.5 KM). 4. 2 No. 220 KV Feeder Bay at 220 KV SS Kotmikala	₹ 10000/-	₹ 5.00 Lacs	27.02.2026

Note: For more details, Tender schedule & Tender Documents visit our website: –**http://www.cspc.co.in> ebidding > ebidding web portal (OR) https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal**
SAVE ELECTRICITY
Chief Engineer (Project), CSPTCL, Raipur

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 1, Telibandha, Raipur (C.G.)-492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Reg. No. 22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000, Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address:csidc.cg@nic.in,cside_raipur@yahoo.com
REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) [2nd Call] (MANUAL TENDER)
NIT No. 33/CSIDC/E.E./Division-III/2025-26 Raipur, Dated 28/01/2026
Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites RFP for Appointment for Enviornmental Consultancy Firm for Obtaining Environmental Clearance (EC) for Industrial area Textile Park, Village-Kurru, Nava Raipur, Atal Nagar (C.G.) with details as follows:-

S. No.	Name of work	PAC	EMD	Cost of Tender Form	Last Date for Submission of Teder
A	Appointment for Enviornmental Consultancy Firm for Obtaining Environmental Clearance (EC) Industrial area Textile Park, Village-Kurru, Nava Raipur, Atal Nagar (C.G.)	5.00 Lacs	1,00,000/-	5900/- (i/c 18% GST)	12/02/2026

The REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) document and other details can be downloaded from the web portal (website) www.csidc.in from 29/01/2026. Amendment in RFP, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper. NOTE: Agencies may contact to E.E., Division-III, CSIDC, Udyog Bhawan in working hours to clear their doubt if any before online submission of the RFP.
S. - 46748 **Executive Engineer Division-III**

ITSA HOSPITALS
HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

डॉ. जयेश शर्मा
MBBS, MS (Mumbai)
Fellowship in Surgical Oncology (Ahmedabad)
कैंसर रोग विशेषज्ञ
25+ वर्षों से अधिक का अनुभव
स्तन में गांठ?
समय रहते जांच जरूरी।
क्या आप जानते हैं?
90% से अधिक स्तन गांठें कैंसर संबंधी नहीं होतीं।
लगभग 80% मामलों में बायोप्सी भी आवश्यक नहीं होती।
क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जाम
उन्नत इमेजिंग जांच
विशेषज्ञ मूल्यांकन
व्यक्तिगत उपचार योजनाएँ
महिलाओं और उनके परिवारों के लिए परामर्श
मुफ़्त क्लिनिकल स्तन परीक्षण
हर महीने के पहले बुधवार
स्तन अल्ट्रासाउंड पर 25% छूट
यदि डॉक्टर के परामर्श के बाद आवश्यक हो
अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
+91 7880110000, 0771 4800000
www.itsahospitals.com

खत्म नहीं हो रहा पुरानी जांच मशीनों का मोह, 54 करोड़ का बजट स्वीकृत

तेरह साल पुरानी सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन से चल रही मरीजों की जांच, दस माह बाद भी प्रक्रियाओं में उलझी खरीदी

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

आंबेडकर अस्पताल का रेडियोडायग्नोसिस विभाग मरीजों की जांच के लिए पुरानी जांच मशीनों का मोह नहीं छोड़ पा रहा है। यहां के एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन की खरीदी के लिए बजट में 54 करोड़ रुपए स्वीकृत किया गया है, मगर दस महीने बीतने के बाद भी सीजीएमएससी प्रक्रियाओं में ही उलझा हुआ है। तेरह साल पहले करीब 20 करोड़ की लागत से खरीदी गई मशीन अब पुरानी हो चुकी है। जांच की गति धीमी होने के बाद कभी भी बंद होने के कारण इसके मेंटेनेंस में अस्पताल को बड़ा खर्च करना पड़ता है।

सूत्रों का कहना है कि अस्पताल से संबंधित उपकरणों की खरीदी की जिम्मेदारी सीजीएमएससी की है और उसकी लंबी प्रक्रिया की वजह से मरीजों की जांच पुरानी मशीनों से करना अस्पताल की मजबूरी है। अस्पताल का रेडियोडायग्नोसिस विभाग काफी व्यस्त विभाग है। इमरजेंसी से लेकर ओपीडी और आईपीडी के मरीजों की बीमारी अथवा उसकी गंभीरता का पता लगाने सीटी स्कैन अथवा एमआरआई की जिम्मेदारी इसी विभाग के डाक्टरों की है। जांच के दौरान उनकी तकलीफ तब बढ़ जाती है, जब पुरानी जांच मशीन ही साथ छोड़ देती है। यहां आने वाले मरीजों के साथ डाक्टर सहित

अन्य चिकित्सकीय स्टाफ को दोनों तरह की नई जांच मशीन आने का इंतजार है। मशीन सीजीएमएससी के टेंडर की जटिल प्रक्रियाओं में पिछले दस महीने से फंसी हुी है। स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने और अस्पताल को अपडेट करने के लिए राज्य शासन ने पिछले बजट में यहां के लिए थ्री टेस्ला एमआरआई मशीन खरीदी के लिए 28.5 तथा 256 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन के लिए 26 यानी कुल 54.5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। शासन से राशि को मंजूरी मिल गई, मगर अस्पताल को मरीजों की जांच के लिए नई मशीन नहीं मिल पाई।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार वर्तमान में पुरानी मशीन के जरिए विभाग द्वारा रोजाना 20 से ज्यादा लोगों की जांच की जा रही है। नई मशीन मिलने जांच की संख्या दो से तीन गुना होने की संभावना है क्योंकि नई के साथ पुरानी मशीन का उपयोग मरीज हित में किया जा सकेगा। पूर्व में इमरजेंसी को छोड़कर बाकी मरीजों की जांच ओपीडी टाइमिंग में की जाती थी। इससे मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। इस समस्या को खत्म करने के लिए अस्पताल ने जांच की अवधि में वृद्धि की जिससे वेटिंग वाली समस्या अब कम हो गई। सीटी स्कैन की सुविधा आंबेडकर के अलावा जिला अस्पताल और एम्स में भी है। यहां मरीजों की संख्या ज्यादा होने की वजह से दबाव भी अधिक होता है। समस्या के समाधान के लिए पहले डीके हास्पिटल में पीपीपी मोड में संचालित डायग्नोस्टिक सेंटर में मरीज भेजने की व्यवस्था की गई थी जो कारगर नहीं हुआ। एम्स में इन जांचों के लिए लंबी वेटिंग की समस्या होती है और जिला अस्पताल हास्पिटल में आने वाले और अन्य जरूरतमंद मरीजों की जांच सीमित संख्या में कर पाता है।

जांच बढ़ने से मरीजों को लाभ

नई मशीन से जांच की संख्या में बढ़ोतरी होगी जिसका लाभ मरीजों को मिलेगा। अभी उपलब्ध संसाधनों से ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच की जा रही है। मशीनों की खरीदी की प्रक्रिया सीजीएमएससी स्तर पर पूरा किया जा रहा है।

- डा. विवेक पात्रे, विभागाध्यक्ष, रेडियोडायग्नोसिस विभाग\

ई-रिक्शा-बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो खरीदार सहित 5 गिरफ्तार

2 ई-रिक्शा, 40 बैटरी सहित 2 वाहन जब्त, दोपहिया वाहन में घूम-घूमकर देते थे चोरी की घटना को अंजाम

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

रायपुर पुलिस ने ई-रिक्शा और बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो खरीदार शामिल हैं। पुलिस ने सभी के कब्जे से चोरी के 2 ई-रिक्शा, 40 बैटरी एवं 2 दोपहिया वाहन जब्त किया है। चोरी करने वाले आरोपियों में दो हमीरपुर उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। इस गिरोह से जब्त की गई बैटरी एवं वाहन की कुल कीमत 8 लाख 55 हजार रुपए है।

पुलिस अधिकारियों ने इस चोर गिरोह का खुलासा करते हुए बताया कि शहर में लगातार ई-रिक्शा और बैटरी की चोरी की घटनाएं हो रही थीं। इनमें डीडीनगर थाना और आजाद चौक थाना क्षेत्र में पूर्व में हुई चोरी की कुछ घटना की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। इन रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच करते हुए इस गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि

इस गिरोह में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें टीकाराम यादव 51 वर्ष निवासी गणपति नगर चंगोरा भाठा, रमजान खान 20 वर्ष निवासी थाना मौदहा जिला हमीरपुर उत्तरप्रदेश हाल पता मौदहापारा रायपुर, अकरम खान 21 वर्ष निवासी थाना मौदहा जिला हमीरपुर उत्तरप्रदेश हाल पता गाजीनगर बिरगांव उरला शामिल है। ये सभी आरोपी घूम-घूमकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों द्वारा चोरी करने के बाद ई-रिक्शा और बैटरी को कफिल खान 31 वर्ष निवासी जनकबाड़ा के पास मौदहापारा तथा राहुल पाल 32 वर्ष निवासी अवधपुरी भाठागांव को बेचा करते थे। पुलिस ने इन दोनों के कब्जे से चोरी के ई-रिक्शा, बैटरी के साथ घटना में प्रयुक्त दो वाहन जब्त किया है। इस मामले में सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2), 317(4), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी पर पूर्व सीएम बघेल ने सीएम साय पर साधा निशाना

सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लिखा पत्र, 9 बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ की सियासत में एक बार फिर 'धान' के मुद्दे पर घमासान शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक कड़ा पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रदेश का किसान आज अनिश्चितता और आर्थिक दबाव के दौर से गुजर रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए धान खरीदी की समय-सीमा खत्म होने के बाद, बघेल ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए 9 बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है।

भूपेश बघेल ने पूछा है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने धान खरीदी का कुल लक्ष्य कितना तय किया था और उसके मुकाबले अब तक कितनी खरीदी हो पाई है। उन्होंने यह भी जानना चाहा है कि लक्ष्य के प्रतिशत की वास्तविक स्थिति क्या है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्र में उन किसानों की संख्या पूछी है जिनका पंजीयन और टोकन कटने के बावजूद धान नहीं खरीदा जा सका। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी कारणों और समय-सीमा समाप्त होने के कारण कई किसान आज भी परेशान हैं।

भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि एग्रीटेक पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण हजारों किसानों का रकबा शून्य या कम दर्शाया गया, जिससे वे धान बेचने से वंचित रह गए। उन्होंने पूछा कि ऐसे किसानों को हुए आर्थिक नुकसान का आकलन और भरपाई कैसे की जाएगी। पत्र में यह भी सवाल उठाया गया है कि जिन किसानों का धान नहीं खरीदा गया। क्या उन्हें बैंक ऋण वसूली से राहत दी गई है? भूपेश बघेल ने पूछा कि ऐसे कितने किसान हैं जो कर्ज अदायगी के लिए चिंतित हैं और यदि धान नहीं बिका तो वे किस्त कैसे चुकाएंगे? धान खरीदी की समय-सीमा समाप्त होने पर बघेल ने सरकार से मांग की है कि जिन किसानों का टोकन कट चुका है, लेकिन धान नहीं बिका, उनके लिए खरीदी अवधि बढ़ाने पर गंभीरता से विचार किया जाए।

आईटीएमएस कैमरे से ही कटेगा ई-चालान

रायपुर। जयस्तंभ चौक स्थित आईटीएमएस के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का रविवार को नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला निरीक्षण करने पहुंचे। जहां उन्होंने आईटीएमएस सिस्टम को समझने के साथ ट्रैफिक उल्लंघन के सभी मामलों में आईटीएमएस कैमरे के माध्यम से ई-चालान भेजने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस कमिश्नर ने एलएंडटी के मैनेजर दीपक मालवीय को जिन स्थानों के कैमरे खराब हैं, उन्हें तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए। ई-चालान की राशि जमा नहीं करने वालों के लायसेंस निलंबन सहित वाहन संबंधित अन्य कार्यों पर रोक लगाने पुलिस कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं।

शराब दुकान में घुसकर फैलाई दहशत, गिरफ्तार

रायपुर। थाना धरसींवा क्षेत्र में चाकू दिखाकर धमकी देने और शराब दुकान में जबरन घुसकर दहशत फैलाने वाले कुख्यात बदमाश राजेश सिसोदिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। राजेश सिसोदिया के खिलाफ मारपीट, बलवा, चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट और नारकोटिक एक्ट सहित एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह पूर्व में कई बार जेल जा चुका है। पुलिस के अनुसार, हेमंत साहू ने पुलिस सहायता केंद्र सिलतरा चौकी थाना धरसींवा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अंग्रेजी शराब दुकान ग्राम सिलतरा में सेल्समैन है। 1 फरवरी को वह प्रतिदिन की तरह सुबह लगभग 10 बजे दुकान खोलकर शराब की बिक्री कर रहा था, इस दौरान बदमाश दुकान के अंदर घुस आया और चाकू दिखाकर दहशत फैलाई।

चिंतन

यूएस से ट्रेड डील रोजगार के नए मौके पैदा करेगी

भारत और अमेरिका के बीच संपन्न हुई ट्रेड डील को मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक निर्णायक और दूरगामी कदम है। पिछले एक वर्ष से अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लेकर जो असमंजस और अनिश्चितता बनी हुई थी, उसका सीधा असर भारत के निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन पर पड़ रहा था। उसका असर व्यापारियों और युवाओं के रोजगार अवसरों पर साफ दिखाई दे रहा था। इस समझौते ने उस माहौल को काफी हद तक समाप्त करने का संकेत दिया है और व्यापारियों, उद्योग जगत तथा युवाओं में नई उम्मीद जगाई है। भले ही सौदे की पूरी शर्तें अभी सामने आनी बाकी हों, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह डील भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संभावनाओं के द्वार खोलती है। इसे मौजूदा वैश्विक आर्थिक हालात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जाना चाहिए। सबसे अहम बात यह है कि भारत ने अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के साथ बातचीत में अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना यह समझौता किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना भारत की मजबूत कूटनीतिक स्थिति को दर्शाता है। यह संकेत देता है कि भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अपनी शर्तों पर बातचीत करने वाला देश बन चुका है। इस डील से 'मेड इन इंडिया' नई गति मिलने की उम्मीद है। जब निर्यात बढ़ेगा तो स्वाभाविक रूप से उत्पादन बढ़ेगा और इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ेगा। कपड़ा, चमड़ा, हीरा-जवाहरात, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और इंजीनियरिंग सेक्टर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। इन सेक्टरों में लाखों लोगों को काम मिलता है और यही कारण है कि इस समझौते को रोजगार सृजन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। साथ ही, लोगों के हाथों में अधिक पैसा आएगा, जिससे 'ईज ऑफ लिविंग' को भी मजबूती मिलेगी। ट्रेड डील का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र को इससे अलग रखकर अपने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों की रक्षा की है। यह दिखाता है कि सरकार ने वैश्विक दबावों के बावजूद घरेलू प्राथमिकताओं को नजरअंदाज नहीं किया। भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद में कुछ कमी और वैकल्पिक स्रोतों की तलाश यह दर्शाती है कि भारत वैश्विक संतुलन को साधते हुए आगे बढ़ रहा है। हालांकि वेनेजुएला से तेल खरीदना तकनीकी और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस डील का असर बाजारों पर भी दिखाई दिया है। रुपये और सेंसेक्स की तेज उछाल इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने इस समझौते का स्वागत किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का यह कहना कि इस डील में किसी के हितों से समझौता नहीं किया गया, सरकार के आत्मविश्वास को दर्शाता है। उनका यह भी कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों की रक्षा की है, इस समझौते के संतुलित स्वरूप को रेखांकित करता है। यह डील भारत के 140 करोड़ नागरिकों, गांवों में रहने वाले गरीबों, किसानों, मछुआरों, युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर लेकर आ सकती है। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका ट्रेड डील भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है। निर्यात बढ़ेगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। यदि इस समझौते का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया, तो यह भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

संसद
कांतिलाल मांडोत

सदन की मर्यादा बनाम सियासी सनसनी

संसद में संदेह, कयास और 'कहा जाता है' जैसे शब्दों के आधार पर देश की सुरक्षा नीति पर बहस नहीं की जा सकती। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करने वाला भी है। जनता अब केवल आरोप नहीं, प्रमाण भी चाहती है। सोशल मीडिया और सूचना के इस दौर में आधे सच ज्यादा देर तक टिकते नहीं। विपक्ष का काम सवाल पूछना है, लेकिन नियमों के भीतर रहकर। सरकार का काम जवाब देना है, लेकिन तथ्य और मर्यादा के साथ। जब दोनों में से कोई एक भी इस संतुलन को तोड़ता है, तो नुकसान लोकतंत्र का होता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है उसकी जिम्मेदारी।

लोकसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां शब्द केवल अभिव्यक्ति नहीं होते, बल्कि राष्ट्रीय भरोसे, संस्थागत मर्यादा और संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रतीक भी होते हैं। ऐसे में अगर इस मंच पर ऐसे संदर्भ लाए जाएं, जिनका न तो आधिकारिक अस्तित्व हो और न ही सार्वजनिक सत्यापन, तो स्वाभाविक है कि सवाल केवल कथन पर नहीं, कथन करने वाले की मंशा पर भी उठते हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब के हवाले से डोकलाम को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बयान इसी श्रेणी में आता है, जिसने संसद में हंगामा खड़ा कर दिया और देश के सामने एक गंभीर प्रश्न रख दिया। क्या राजनीतिक लाभ के लिए सदन की नियम-परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों को दांव पर लगाया जा सकता है?

राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान जिस मैगजीन लेख का हवाला दिया, वह स्वयं एक अप्रकाशित मेमॉयर पर आधारित बताया गया। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि जिस किताब का जिक्र किया जा रहा है, वह प्रकाशित ही नहीं हुई है, तो इस तर्क को खारिज करना मुश्किल हो जाता है। संसदीय परंपरा साफ कहती है कि सदन में वही तथ्य उद्धृत किए जा सकते हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध, प्रकाशित और सत्यापन योग्य हों। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी इसी नियम की याद दिलाई। इसके बावजूद, नियमों की अवहेलना कर बार-बार वही संदर्भ दोहराया गया, जिससे बहस का स्तर मुद्दे से हटकर टकराव तक पहुंच गया। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी, ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर ऐसे बयान दिए हों, जिन्हें बाद में या तो आधा-अधूरा बताया गया या तथ्यहीन। डोकलाम जैसे संवेदनशील मुद्दे पर बोलते समय अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित होती है, क्योंकि यहां केवल सरकार की आलोचना नहीं होती, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सेना की रणनीति, क्षमता और निर्णयों पर भी सवाल खड़े होते हैं। स्वयं स्पीकर ने यह टिप्पणी की कि राष्ट्रीय हित के विषय पर सेना की आलोचना उचित नहीं है। यह टिप्पणी किसी दल विशेष के पक्ष में नहीं, बल्कि संस्था की रक्षा में दी गई चेतावनी थी। राहुल गांधी का यह कहना कि "किताब को प्रकाशित नहीं करने दिया गया'' भी बिना किसी ठोस प्रमाण के एक गंभीर आरोप है। अगर ऐसा है, तो सवाल उठता है कि कांग्रेस के पास इसके समर्थन में आधिकारिक दस्तावेज, लेखक का सार्वजनिक बयान या प्रकाशक की पुष्टि क्यों नहीं है? संसद में संदेह, कयास और 'कहा जाता है' जैसे शब्दों के आधार पर देश की सुरक्षा नीति पर बहस नहीं की जा सकती। यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करने वाला भी है। कांग्रेस अक्सर यह आरोप लगाती रही है कि सरकार असहज सवालों से डरती है। लेकिन इस पूरे प्रकरण में डर नहीं, बल्कि प्रक्रिया और नियमों पर जोर दिखा। अगर राहुल गांधी किसी प्रकाशित

लेख या आधिकारिक बयान का हवाला देते, तो सरकार के पास उसका जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। समस्या सवाल में नहीं, सवाल पूछने के तरीके में है। संसद बहस का मंच है, अफवाहों का नहीं। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि "मैगजीन तो कुछ भी लिख सकती है" केवल एक राजनीतिक तंज नहीं, बल्कि तथ्यात्मक चेतावनी भी है।

कांग्रेस की रणनीति पर नजर डालें तो यह साफ दिखता है कि वह सदन के भीतर और बाहर लगातार ऐसे मुद्दे उठाना चाहती है, जिनसे सरकार को राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मोर्चे पर घेरा जा सके। लेकिन जब ऐसे प्रयास ठोस तथ्यों के बजाय अपुष्ट संदर्भों पर आधारित हों, तो वे खुद कांग्रेस की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। जनता अब केवल आरोप नहीं, प्रमाण भी चाहती है। सोशल मीडिया और सूचना के इस दौर में आधे सच ज्यादा देर तक टिकते नहीं।

यह भी उल्लेखनीय है कि पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे ने स्वयं सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा है कि डोकलाम में चीनी टैंक भारतीय सीमा के 100 मीटर तक भीतर आ गए थे, जैसा दावा किया गया। अगर ऐसा कोई गंभीर तथ्य होता, तो वह किसी न किसी आधिकारिक माध्यम से सामने आता। सेना और सरकार के बीच संवाद कोई छिपी हुई प्रक्रिया नहीं है, खासकर जब बात सीमा सुरक्षा की हो। ऐसे में अप्रकाशित किताब के हवाले से सनसनी फैलाना न तो जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है और न ही परिपक्व राजनीति की पहचान।

सदन की कार्यवाही का बार-बार स्थगित होना भी किसी के हित में नहीं है। विपक्ष का काम सवाल पूछना है, लेकिन नियमों के भीतर रहकर। सरकार का काम जवाब देना है, लेकिन तथ्य और मर्यादा के साथ। जब दोनों में से कोई एक भी इस संतुलन को तोड़ता है, तो नुकसान लोकतंत्र का होता है। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार ने नियमों का हवाला दिया, जबकि कांग्रेस ने भावनात्मक और आरोपात्मक राजनीति को तरजीह दी। यही अंतर आज की राजनीति की दिशा तय कर रहा है।

अंततः, यह बहस किसी एक किताब या एक बयान तक सीमित नहीं है। यह इस बात की परीक्षा है कि हम संसद को किस रूप में देखना चाहते हैं। एक गंभीर नीति-निर्माण मंच या राजनीतिक सुर्खियों का अखाड़ा। कांग्रेस और राहुल गांधी को आत्ममंथन करना होगा कि क्या बार-बार बेबुनियाद आरोप लगाकर वे वास्तव में राष्ट्रीय हित की सेवा कर रहे हैं, या केवल तात्कालिक राजनीतिक लाभ की तलाश में हैं। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है उसकी जिम्मेदारी। बिना प्रमाण के आरोप न केवल सरकार को, बल्कि पूरे देश को कमजोर करते हैं। इसलिए जरूरी है कि संसद में आमजन से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार उठाया जाए। संसद केवल खाली हंगामा करने की जगह न बनें। क्योंकि सदन का जितना समय बार्बाद होगा आमजन का भी उताना ही नुकसान होगा। विपक्ष का कर्तव्य है कि व स्वस्थ और आमजन के मुद्दों पर बहस करे। न कि सदन को अखाड़ा बनाकर छोड़ दे। संसद लोगों के लिए योजनाएं और कानून बनाने के लिए है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकारहैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नीति और सत्ता
अम्बरीष प्रजापति

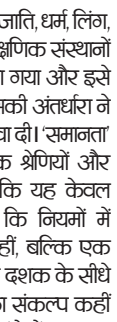

न्यायिक दहलीज पर दम तोड़ते कानून

बीते कुछ समय से देश की शासन व्यवस्था में एक अजीबोगरीब दोहराव देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार जब भी कोई महत्वाकांक्षी नियमावली या कानून पेश करती है, तो वह लागू होने से पहले ही उच्चतम न्यायालय के अवरोधों में फंस जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के हालिया समानता संबंधी दिशानिर्देशों पर लगी रोक इसी सिलसिले की एक ताजा मिसाल है। चाहे वह सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत 'सत्यता जांच इकाई' का विवाद हो, डेटा सुरक्षा कानून की संवैधानिक चुनौतियां हों या प्रसारण विधेयक पर बढ़ता विरोध-यह सब महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। यहाँ बुनियादी मसला अदालती दखल का नहीं है, बल्कि उस कार्यप्रणाली का है जिसके तहत ये नियम गढ़े जा रहे हैं। जब बारीकी से तैयार किए गए कानून न्यायिक कसौटी पर बार-बार विफल होने लगें, तो यह नीति-निर्धारकों की दूरदर्शिता और उनकी संवैधानिक समझ पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

सुधार या नियोजित भ्रम की रणनीति?

यूजीसी के प्रकरण को ही लें। 'यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन' को जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र ऐसे तमाम आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त कर शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक समरसता, समता भाव स्थापित करने के लिए लाया गया और इसे शिक्षा जगत में सुधार के तौर पर प्रचारित किया गया, लेकिन इसकी अंतर्धारा ने सामाजिक समरसता के बजाय 'जातीय ध्रुवीकरण' को अधिक हवा दी। 'समानता' की शब्दावली का उपयोग करते हुए जिस तरह से पारंपरिक श्रेणियों और पहचानों को पुनर्जीवित किया गया, उसने स्पष्ट कर दिया कि यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है। कई विश्लेषकों का मानना है कि नियमों में जानबूझकर छोड़ी गई अस्पष्टता किसी सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक बिसात है। आज की राजनीति नब्बे के दशक के सीधे टकराव वाली राजनीति से अलग है। अब जाति को मिटाने का संकल्प कहीं ओझल हो गया है; इसके उलट उसे 'पावर गेम' के एक नए सांचे में ढाला जा रहा है। जाति अब सामाजिक चेतना का विषय न रहकर सत्ता के प्रचार-प्रसार, वोट बैंक साधने का माध्यम बन गया है।

जवाबदेही से बचता सत्ता का शीर्ष

विडंबना देखिए कि जब भी कोई कानून अदालत में अटकता है, तो सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग बड़ी चतुराई से आलोचना से बच निकलते हैं। दोष कभी समितियों पर मढ़ा जाता है, कभी मंत्रियों पर, तो कभी विपक्ष को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। यह वही पुराना मॉडल है- 'सफलता का श्रेय ऊपर, विफलता की जिम्मेदारी नीचे'। इस पूरी प्रक्रिया में असली 'निर्णय-केंद्र' हमेशा अदृश्य बना रहता है।

हिंदुत्व और सामाजिक समरसता का क्षरण

हिंदुत्व का विचार, जो मूलतः सांस्कृतिक एकात्मता और भेदभाव रहित समाज की बात करता था, इस 'पहचान वाली राजनीति' के कारण हाशिए पर जाता दिख रहा है। जब सामाजिक न्याय को लोक-कल्याण के बजाय मार्केटिंग के औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है, तो समाज जुड़ने के बजाय बंट जाता है। यह न तो हिंदुत्व की जीत है और न ही सामाजिक न्याय की; यह केवल सत्ता को स्थिर रखने का एक खेल है।

सुझाव: इस संवैधानिक और सामाजिक उलझन से निकलने के लिए सरकार को केवल कागजी बदलाव नहीं, बल्कि बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है। एआई आधारित सुरक्षा निगरानी केंद्रः सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में 'एआई सुरक्षा निगरानी केंद्र' स्थापित किए जाएं। ये केंद्र आधुनिक तकनीक के जरिए किसी भी वर्ग, समुदाय के छात्र छात्राओं, अधिकारी-कर्मचारी तथा शिक्षकों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के भेदभाव की शिकायतों का निष्पक्ष विश्लेषण हो सकेगा, जिससे मानवीय पूर्वाग्रह और जातीय द्वेष की गुंजाइश खत्म हो सकेगी और जो वास्तविक दोषी होगा उस पर कारवाई हो सकेगी। सरकार शैक्षणिक संस्थानो में जातिगत भेदभव मुक्त परिसर बनाकर जो समता मूलक भाव पैदा करना चाहती है। इस तरह समता मूलक, समरसता युक्त कैंपस बन सकेंगे।

निष्कर्ष: लोकतंत्र केवल बहुमत के आंकड़ों से नहीं, बल्कि संवैधानिक विवेक और सामाजिक संवेदनशीलता से चलता है। जब नीति-निर्माण में बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की कमी होती है, तो कानून अदालतों में अटकते हैं और जनता सड़कों पर उतरती है। भारत एक भावप्रधान राष्ट्र है, जहाँ भावनाओं का दोहन करना आसान है, लेकिन अब समय 'बुद्धि' से सोचने का है। चूंकि आज के दौर में 'कंटेंट' ही किंग है, इसलिए यह जरूरी है कि झूठे नैरेटिव्स के जाल में फंसने के बजाय सच जानने का प्रयास करें। क्योंकि किसी भी भ्रम का अंत केवल तार्किक चर्चा से ही संभव है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकारहैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी है

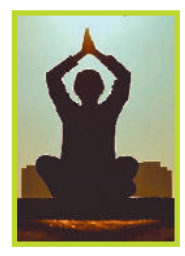

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

अपनी गठरी टटोलें

संकलित
प्रेरणा

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूँ परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरा यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली सँभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाक बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़े सफलताएं आप की प्रतीक्षा में है।

अंतर्मन

आज की पाती

रक्षा पर जोर रोजगार भाव विभोर

बजट को 6 .81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7 .85 लाख करोड़ यानी 15 .2 प्रतिशत की वृद्धि करके देश की सुरक्षा पर ध्यान दिया गया। मिडिल क्लास के लिए न तो आयकर में कोई नई छूट का प्रावधान रखा गया और न ही गरीब मजदूरों के हित अथवा महंगाई से राहत के लिए कोई ऐसा कदम उठाया गया, जिससे उन्हें सुकून मिल सके। देश के उत्थान में युवकों का सबसे बड़ा योगदान होता है, किंतु बेरोजगारी कम करने के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे उन्हें बेहतर नौकरी या रोजगार मिल सके। सरकार को बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के विषय में भी प्रयास करना चाहिए। कुल मिलाकर इस बार का बजट किसी भी वर्ग को बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं कर पाया है। – *संतोष अग्रवाल, भाटापारा*

ट्रेंड

मोदी मेरे अच्छे दोस्त

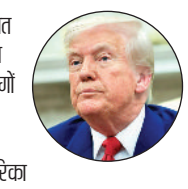

पीएम मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, वे अपने देश में एक मजबूत और सम्मानित नेता हैं। हम दोनों ऐसे लोग हैं जो काम करके दिखाते हैं। यह बात ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कही जा सकती। हमारी डील से दोनों देशों का विकास होगा।
-**डोनाल्ड ट्रंप,** राष्ट्रपति अमेरिका

राहुल देश को गुमराह कर रहे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं। अमेरिकी के साथ ट्रेड डील से देश को फायदा होगा। देश-विदेश में इसकी तारीफ हो रही है। कृषि-डेयरी क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा। हमारे इंजीनियरिंग सेक्टर्स के पार्ट्स बनाने वाले, टेक्सटाइल, मरीन गुड, ज्वेलर सेक्टर को बहुत सारे मौके मिलेंगे। -**पीयूष गोयल,** केंद्रीय मंत्री

इमेज तोड़ रहे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है, यह असल में मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं। -**राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

एसआईआर से लोग पीड़ित

पश्चिम बंगाल में कई वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। प्रभावित लोगों को न तो ठीक से सूचना दी जा रही है और न ही उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल रहा है। एसआईआर प्रक्रिया से लोग पीड़ित हैं। -**ममता बनर्जी,** सीएम, प. बंगाल

करंट अफेयर

कक्षाओं में चैटजीपीटी, अब छात्रों के सीखने का आकलन कैसे

दुनिया के हर क्षेत्र के साथ साथ उच्च शिक्षा में भी जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनएआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और छात्र तथा शिक्षक पढ़ाई, सीखने और मूल्यांकन में चैटबॉट्स को शामिल कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि शिक्षा की मूल प्रकृति को प्रभावित करने वाला है। कनाडा के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 28 शिक्षकों पर आधारित एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि शिक्षा एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुकी है। ऐसे समय में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो गया है कि जब एल्गोरिदम मानव संज्ञान को सहारा दे सकते हैं या उसका अनुकरण कर सकते हैं, तब आकलन किस बात का होना चाहिए। एआई और अकादमिक ईमानदारी पर पिछले 15 वर्षों के शोध की समीक्षा से पता चला कि एआई शिक्षा के लिए दोधारी तलवार है। एक ओर, उन्नत टेक्स्ट जनरेटर और अनुवादक मानव-जैसा लेखन कर सकते हैं, जिससे नकल को पकड़ना और उसका पता लगाना ही कठिन हो गया है। साथ ही, ये उपकरण कभी-कभी गलत जानकारी देते हैं या सामाजिक पूर्वाग्रह भी दोहरा सकते हैं। दूसरी ओर, एआई सीखने को अधिक समावेशी बना सकता है, विशेषकर दिव्यांग छात्रों या अतिरिक्त भाषा सीख रहे छात्रों के लिए।

ऑफ बीट

अब उम्र तय करने में जीन की भूमिका पहले से अधिक

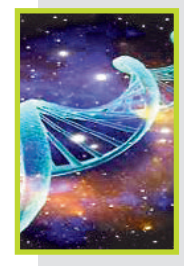

शोध के अनुसार, आज के दौर में जीवनकाल में जीन का योगदान पहले की तुलना में कहीं अधिक दिखाई देता है। इसके पीछे कारण यह नहीं है कि जीन अचानक ज्यादा प्रभावशाली हो गए हैं, बल्कि यह है कि बीते एक शताब्दी में मृत्यु के कारणों में बड़ा बदलाव आया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक सदी पहले बड़ी संख्या में लोग दुर्घटनाओं, संक्रमणों और अन्य बाहरी कारणों से मर जाते थे। वैज्ञानिक इन्हें 'बाह्य कारण' कहते हैं। इसके विपरीत, आज विकसित देशों में अधिकांश मौतें 'आंतरिक कारणों' से होती हैं, जैसे उम्र बढ़ने से जुड़ी बीमारियां- हृदय रोग, डिमेंशिया और अन्य रोग। अधिक स्पष्ट तस्वीर के लिए शोध दल ने स्कैंडिनेवियाई देशों में जुड़वां बच्चों के बड़े समूहों का अध्ययन किया। इसमें दुर्घटनाओं और संक्रमणों से हुई मौतों को अलग कर दिया गया। इसके अलावा अमेरिका में अलग-अलग पले-बढ़े जुड़वां बच्चों और सौ साल से अधिक उम्र तक जीने वाले लोगों के भाई-बहनों का भी विश्लेषण किया गया। जब बाहरी कारणों से होने वाली मौतों को अलग कर देखा गया, तो जीवनकाल में जीन का अनुमानित योगदान 20–25 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 50–55 प्रतिशत तक पहुंच गया।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अदाणी पोर्ट के लाभ में 21 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,043 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को तीसरी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 2,518 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए कंपनी का राजस्व 7,964 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,705 करोड़ रुपये हो गया।

एनएमडीसी का लाभ 8% घटकर 1,747 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। एनएमडीसी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,747.01 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने मंगलवार को तीसरी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की जानकारी दी। एनएमडीसी लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 1,896.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

बजाज ऑटो की जनवरी बिक्री 25 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि जनवरी में उसकी कुल बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 4,77,422 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 3,81,040 इकाई थी। बजाज ऑटो लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 2,61,975 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि की 2,08,359 इकाई के मुकाबले 26 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बताया कि घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,14,727 इकाई रही, जबकि जनवरी 2025 में यह 1,71,299 इकाई थी, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

टाटा केमिकल्स का घाटा बढ़कर 93 करोड़ रुपए

मुंबई। टाटा केमिकल्स का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 93 करोड़ रुपये हो गया। बाजार में आपूर्ति अधिक होने और सोडा ऐश की कीमतों में गिरावट से घाटे में यह बढ़ोतरी हुई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 53 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों का विवरण दिया।

मस्क ने किया स्पेसएक्स व एक्सएआई का विलय

न्यूयॉर्क। अरबपति कारोबारी एलन मस्क अपने अंतरिक्ष अन्वेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े उपक्रमों का एक ही कंपनी में विलय कर रहे हैं। यह कदम इस कारोबार के इस साल के अंत में प्रस्तावित बड़े प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले उठाया गया है। उनकी रॉकेट कंपनी 'स्पेसएक्स' ने सोमवार को घोषणा की कि उसने 'एक्सएआई' का अधिग्रहण कर लिया है। इसका उद्देश्य दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को रॉकेट और एआई उद्योग में और मजबूत वर्चस्व दिलाना है।

सीमा शुल्क में सुधार से लोगों का जीवन होगा सुगम, उद्योगों को मिलेगा प्रोत्साहन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने कहा है कि आम बजट में अप्रत्यक्ष कर के मोर्चे पर कैंसर के इलाज में काम आने वाली दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने, 'बैगेज' नियमों में ढील जैसे उपायों का मकसद लोगों के जीवन को सुगम बनाना है।

सीमा शुल्क दरों को युक्तिसंगत बनाया गया

चतुर्वेदी ने कहा कि इसके साथ ही सीमा शुल्क दरों को युक्तिसंगत बनाकर विनिर्माण को गति देने, घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाने के लिए भी कदम उठाये गये हैं। चतुर्वेदी ने कहा, ''अप्रत्यक्ष कर पर छूट और रियायतें सोच-समझकर दी गई हैं। हमने वहां कदम उठाया है जहां इसकी आवश्यकता थी।

इन उपायों का मकसद लोगों के जीवन को सुगम बनाना, विनिर्माण को गति देना और घरेलू उद्योगों को विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को देखते हुए प्रतिस्पर्धी और दक्ष बनाना है।''

ढील देने का मकसद लोगों के जीवन को सुगम बनाना

बाहर से 75 हजार तक शुल्क मुक्त सामान ला सकते हैं

उल्लेखनीय है कि 2026-27 के आम बजट में कैंसर के इलाज में काम आने वाली 17 दवाओं पर सीमा शुल्क हटा दिया गया है। इसके अलावा, सात और दुर्लभ बीमारियों के लिए शुल्क मुक्त दवाएं और खाने का सामान मंगाने की अनुमति दी गयी है। इसके साथ 'बैगेज' नियमों के तहत बाहर से 75,000 रुपये का शुल्क मुक्त सामान लाने की अनुमति दी गयी है जबकि पहले यह सीमा 50,000 रुपये थी।

छाते के आयात को हतोत्साहित किया गया

चतुर्वेदी ने कहा, ''इसी प्रकार, छोटे उद्योगों को ध्यान में रखकर छातों और उसके उत्पाद आयात को हतोत्साहित करने के लिए कदम उठाया गया है। अब छाते पर 20 प्रतिशत या प्रति इकाई 60 रुपये, जो भी ज्यादा हो, शुल्क लगेगा।

सामान लाने शुल्क मुक्त सीमा 7,50,000 तक की गई

चतुर्वेदी ने कहा, ''इसके अलावा हमने 'ट्रांसफर ऑफ रेजिडेंस' के तहत भारतीय मूल के लागों को तीन साल बाद वापस स्वदेश लौटने पर निर्धारित सूची के अनुसार सामान लाने के लिए शुल्क मुक्त सीमा 7,50,000 तक कर दी है। जो लोग कुछ कम समय के लिए रहे हैं, उनके लिए शुल्क छूट सीमा कुछ कम है।''

कृषि-डेयरी क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं : गोयल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ एक अच्छे व्यापार करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। गोयल ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। गोयल ने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए हुए कहा कि उनकी सोच नकारात्मक है और वह भारत की प्रगति के विरोधी हैं।

टैरिफ कटौती से दहाड़ा रुपया, तीन साल की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज, 122 पैसे उछला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने के बाद भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने एक कारोबारी सत्र में 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते होने के बाद भारतीय रुपया ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

कारोबारी सत्र में 122 पैसे की छलांग के साथ 90.27 प्रति डॉलर

सोमवार को 44 पैसे की बढ़त दर्ज की गई

कारोबार के दौरान यह 90.05 (उच्चतम) और 90.52 (न्यूनतम) के दायरे में घूमने के बाद अंत में 90.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को रुपया 44 पैसे बढ़कर 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सभी को लाभ होगा: प्रधानमंत्री

मंगलवार के कारोबार सत्र के अंत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले 122 पैसे की बढ़त है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा निर्णय है जिससे देश में सभी को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हमेशा राष्ट्र के पक्ष में काम करती है।

रुपया 90.30 पर खुला था

भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। इसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

कार्यालय-प्राचार्य शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नवाडीह चौक सीपत, सीपत जिला बिलासपुर (छ.ग.) पिन कोड 495555
Website - https://gmlscollege.ac.in,
Email_gmlscseepat@gmail.com, AISHE CODE C-22298

क्रमांक /735/स्था./2026 सीपत, दिनांक 02/02/2026

अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन

शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीपत, जिला बिलासपुर छ.ग. के प्राध्यापक (समाज शास्त्र), के रिक्त पद के विरूद्ध अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता एवं अतिथि शिक्षण सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 14/02/2026 को सांय 05:30 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकतें हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट:- विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड, महाविद्यालय की वेबसाईट https://gmlscollege.ac.in में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य
शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सीपत, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
पिन कोड - 495555

जी. 252606412/2

विमानन संचालनालय केपिटल कॉम्प्लेक्स महानदी भवन, मंत्रालय, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक /विमा./संचा./2026 नवा रायपुर, दिनांक /01/2026

//शुद्धिपत्र //

विमानन संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी विज्ञापन क्रमांक 1141 दिनांक 26.12.2025 के माध्यम से कुल 05 पदों में से तकनीकी सलाहकार के 01 पद हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

उक्त विज्ञापन में प्रशासनिक कारणों से संशोधन करते हुए यह सूचित किया जाता है कि तकनीकी सलाहकार के 01 अतिरिक्त पद की वृद्धि की गई है। इस प्रकार अब तकनीकी सलाहकार के कुल पदों की संख्या 01 के स्थान पर 02 (दो) होगी।

इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी (केवल तकनीकी सलाहकार पद) इस शुद्धिपत्र के जारी दिनांक से 10 (दस) दिवस के भीतर अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

अन्य सभी नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अपर संचालक
विमानन संचालनालय मंत्रालय
नवा रायपुर (छ.ग.)

जी. 252606417/2

संचालनालय वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसगढ़ मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/1/275154/2026
नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 02/02/2026

संचालनालय वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसढ़ अंतर्गत APPOINTMENT OF A FUND MANAGER FOR MANAGING THE CHHATTISGARH PENSION FUND FOR STATE GOVERNMENT OF CHHATTISGARH हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

(अ) ई-निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि दिनांक 02.02.2026

(ब) ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 02.03.2026 समय अपरान्ह 3:30 बजे

(स) ई-निविदा खोलने की तिथि दिनांक 03.03.2026 समय पूर्वान्ह 11:30 बजे

उपरोक्त के संबंध में Pre Bid Meeting दिनांक 16.02.2026 को अपरान्ह 3:30 बजे hybrid mode (बैठक कक्ष मंत्रालय महानदी भवन में एवं ऑनलाईन virtual mode) के माध्यम से आयोजित की जायेगी। उक्त Pre Bid Meeting के online mode का लिंक https://finance.cg.gov.in/में उपलब्ध कराया जावेगा।

निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://finance.cg.gov.in/ से प्राप्त की जा सकती है। निविदा में संशोधन एवं उक्त निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना उपरोक्त वेबसाईट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

(संचालक द्वारा अनुमोदित)

सहायक संचालक वित्तीय प्रबंध एवं सूचना प्रणाली, छत्तीसगढ़

जी. 252606428/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 184532/निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि./ 2025-26 दि. 30.01.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 16.02.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम - बीजापुर जिले के विकासखंड भैरमगढ़ में भालूजोड़ी नाला पर स्टॉपडेम का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत रू. 209.91 लाख

(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.02.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बीजापुर
कृते मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

जी. 252606408/4

SUPRINTENDENT PHYSICAL PLANT
INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA, RAIPUR
Phone No. 0771-2442203, Email- igkvspp@gmail.com

SPP/ No.-630 Dt.-30/1/26

NOTICE INVITING E-TENDER
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
Sub Portal: https://igkv.ac.in

Site Development For Biotech Incubation Center Building at I.G.K.V. Campus Raipur & Complete Installation of Effluent Treatment Plant Including Civil Works for Biotech Incubation Center Building at I.G.K.V. Campus Raipur in Sealed tenders are invited in Form A, B, C online from contractor registered in Chhattisgarh PWD as per schedule of rates for Roads/ Buildings/ Bridges works effective from 01.01.2015 and for electrical works effective from 01.06.2020 and amended up to date of issue of NIT. The tender details along with list of necessary documents will be available on the https://eproc.cgstate.gov.in and www.igkv.ac.in websites. The last date of submission of online bid is 13-02-2026 The Physical document's should be submitted only through Registered / Speed post so as to reach in the office of the Superintendent Physical Plant, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Krishak Nagar, Labhandi, Raipur (C.G.) Pin 492012, latest by date 18-02-2026 by 05.00 pm.

Superintendent Physical Plant
IGKV Raipur (CG)

S-46772

CHHATTISGARH MINERAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)
REGD.OFFICE: SECTOR 24, BLOCK NO. 07 A, THIRD FLOOR, ATAL NAGAR, NAVA RAIPUR (C.G.)-492015

Tender No: MLS/Raipur/Operations/14/25-26/ET/19[CMDC EMPANEL FOR DRONE SURVEY
Date: 04.02.2026

NOTICE INVITING TENDER

Online and sealed tenders are invited from experienced parties for "Empanelment of Service Providers for Drone Survey and Surveillance in Chhattisgarh".

1. The Tender Document will be available for download at the cost of RS. 20,000 + RS. 3,600 (18% GST) (TOTAL RS. 23,600) (RUPEES TWENTY-THREE THOUSAND AND SIX-HUNDRED ONLY). The Tender Document can be viewed and downloaded from the website of MSTC Ltd namely https://mstcecommerce.com/eprocn/ from 04/02/2026 to 02/03/2026 up to 3.00 P.M. against payment of the above cost of Tender Document. Bidders shall not be allowed to bid without paying the above-mentioned Tender Fee. The cost of the Tender Document is non-refundable. 2. For clarification of the issues related to the tender pre bid conference will be held in CMDC's H.O. on 13/02/2026 at 3.00 P.M. 3. The last date for online submission of Bid Document is 02/03/2026 up to 3.00 P.M. The hard copies of the Technical Bid only should be submitted to the CMDC's office on or before 02/03/2026 up to 3.00 P.M. Technical Bid will be opened on the same day at 4.00 P.M. at CMDC's Head office, Sector 24, Block No. 07 A, Third Floor, Atal Nagar, Nava Raipur (Chhattisgarh)-492015. For further clarifications Chief General Manager, CMDC, Raipur may be contacted at 0771-2960539 (E-mail: cmdcraipur@gmail.com). 4. Notice Inviting Tender (NIT) and Tender at a glance can be viewed and downloaded from the CMDC's website www.cmdc.co.in 5. Notice Inviting Tender is in brief. For further details, the Bidder shall refer the Tender Document.

S.- 46762

Managing Director

छत्तीसगढ़ शासन
वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग गरियाबंद
वनमण्डल गरियाबंद

काष्ठागार नीलाम का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि गरियाबंद वनमंडल के अंतर्गत गरियाबंद काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ एवं जलाऊ चट्टा का e-Auction द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारो से अनुरोध है कि वे e-Auction में भाग लेंवे। e-Auction की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/वन काष्ठागार गरियाबंद से प्राप्त की जा सकती है।

ई-नीलाम दिनांक- 10/02/2026, ई-नीलाम समय प्रातः 09 : 00 बजे
नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	लट्ठा (घनमीटर)			बल्ली/ डेंगरी/ फेंसिंग (संख्या)		
		नया	पुराना	योग	नया	पुराना	योग
1	सागौन	84.031	31.658	115.689	2170	62523	64693
2	साल	609.606	356.930	966.536	0	2591	2591
3	बीजा	120.755	49.616	170.371	53	158	211
4	शीशम	0	0.434	0.434	0	0	0
5	तिन्सा	2.738	0	2.738	0	0	0
6	साजा	26.462	5.966	32.428	0	0	0
7	हल्दू	3.923	48.354	52.277	0	0	0
8	धावड़ा	9.668	0	9.668	0	0	0
9	सलई	0	11.722	11.722	0	0	0
10	अन्य	43.286	28.456	71.742	0	118	118
	योग	900.469	533.136	1433.605	2223	65390	67613

जलाऊ चट्टा

डिपो का नाम	नया	पुराना	योग
अस्थाई पड़ाव डिपो नाऊमुड़ा	338	0	338
अस्थाई पड़ाव डिपो	106	0	106
अस्थाई पड़ाव डिपो खम्हारीपारा	0	42	42
योग :-	444	42	486
बांस			
उपभोक्ता डिपो देवभोग	0	2000	2000
निस्तार डिपो धवलपुर	0	1793	1793
योग :-	0	3793	3793

टीप :- 01 क्रेताओं को e-Auction के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 02 क्रेताओं को e-Auction के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 03 लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगिन करके देख सकते है। 04 e-Auction में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 40 सेकेंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट को क्रय करने के लिये अन्य क्रेताओं को 30 सेकेंड का अतिरिक्त समय प्राप्त होगा। 20 सेकेंड तक बोली नहीं लगने पर लॉट पर बोली बंद हो जायेगा।

वनमण्डलाधिकारी
गरियाबंद वनमण्डल गरियाबंद

जी. 252606413/2

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत (रू./ लाख में)
1	184421 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	जिला बस्तर के बारसूर-लोहण्डीगुड़ा- जगदलपुर मार्ग के कि.मी. 36/6 मांढेर नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1098.39
2	184424 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	जिला बस्तर के चंदेला धर्माबेड़ा से अमलीधारा मार्ग के कि.मी. 1/3 भंवरडीह नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1274.95
3	184426 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	लाखासार पुल से माहेबंधा तक पहुंच मार्ग लंबाई 4.80 कि.मी. का निर्माण कार्य।	647.36
4	184428 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	ढोढमा से सोढ़ार मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	219.63
5	184459 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	बांधा से देवरहट मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	354.88
6	184468 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	झिरवन से धौराभाठा मार्ग लंबाई 2.35 कि.मी. का निर्माण कार्य।	300.91
7	184469 द्वितीय आमंत्रण 27.01.2026	जिला निर्माण समिति मद अंतर्गत छिन्दनार से कौरगांव मार्ग में हान्दावाड़ा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, जमा मद ।	573.01
8	184507 प्रथम आमंत्रण 28.01.2026	केन्द्रीय सड़क निधि योजनांतर्गत वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल जिला दुर्ग के दुर्ग दल्लीराजहरा रेल लाईन के रेल्वे क्रांसिग क्रमांक डी.डी. 33 चैनगंज गेट कि.मी. 902/13-14 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज एवं रेलवे अण्डर ब्रिज का निर्माण कार्य।	4404.06
9	184511 प्रथम आमंत्रण 28.01.2026	जिला जशपुर के कुनकुरी में इंटिग्रेटेड स्पोर्टस काम्पलेक्स निर्माण कार्य (पार्ट-2) ।	963.01
10	184512 प्रथम आमंत्रण 28.01.2026	जिला बेमेतरा के कांचरी-हरदुवा- लोधीखपरी मार्ग लंबाई 5.70 कि.मी. का पुल पुलिया सहित पुर्ननिर्माण का कार्य।	617.43
11	184508 द्वितीय आमंत्रण 28.01.2026	मालखरौदा मिशन चौक से चिखली रोड कन्या प्राथमिक शाला गौराचौक से पुरैनहा तालाब होते चारपारा तक मार्ग लंबाई 6.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	778.46
12	184509 द्वितीय आमंत्रण 28.01.2026	जिला बीजापुर के बीजापुर-गंगालूर मार्ग के कि.मी. 10/2 पर पोंजेर नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	571.50
13	184541 द्वितीय आमंत्रण 29.01.2026	जिला बीजापुर के चेरपल्ली से पोषणपल्ली मार्ग के कि.मी. 3/4 में चिंतावागु नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	812.38
14	184542 द्वितीय आमंत्रण 29.01.2026	जिला जशपुर के धौरासांड से दाईजबहार मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	909.17
15	184543 द्वितीय आमंत्रण 29.01.2026	जिला बस्तर के सुधापाल से कुण्डापाली मार्ग के कि.मी. 1/2 से 6/6 = 5.60 कि.मी. का पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	628.69
16	184560 द्वितीय आमंत्रण 29.01.2026	केसतरा से टेढ़ाघौरा मार्ग लंबाई 2.80 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य ।	337.00
17	184561 द्वितीय आमंत्रण 29.01.2026	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के गणेशमोड़ - बरदर तक पुल-पुलिया सहित मार्ग लं. 5.40 कि.मी. निर्माण कार्य।	635.13

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 08 से सं.क्र. 10 दिनांक 20.02.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 16.02.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
नवा रायपुर अटल नगर

जी. 252606419/5

अनेक महत्व का गांव है आलोर

गांव की कहानी

घनश्याम नाग

बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर के पूर्व दिशा में आलोर नामक गांव है। आलोर गांव को बड़े डोंगर का प्रवेश द्वार कहा जाता है। आलोर के लिंगई मट्ठा में लिंगई माता विराजमान है। पहाड़ी को स्थानीय गोंडी भाषा में मट्ठा कहा जाता है। मट्ठा के आसपास शैलचित्र, देव हाट, महिषासुर राक्षस के विशालकाय पैर के चिन्ह एवं जलहरि युक्त शिवलिंग है। महिषासुर राक्षस गुफाओं में निवास करता था तथा घने जंगलों एवं पहाड़ियों में विचरण करता था। केशकाल घाटी से लेकर ग्राम बड़े डोंगर तक पहाड़ियों की लंबी श्रृंखला है। घने जंगलों के बीच इन पहाड़ियों में अनेक गुफाएं और झरने भी हैं। यहां की भौगोलिक और प्राकृतिक परिवेश को देखकर ऐसा लगता है कि शास्त्रों में वर्णित महिषासुर का विचरण स्थल भी इन्हीं पहाड़ियों, गुफाओं एवं घने जंगलों में रहा होगा। दंत कथाओं में यही कहा जाता है कि मां दुर्गा महिषासुर राक्षस को इन्हीं दुर्गम पहाड़ियों से खदेड़ते हुए भैंसा दौंद डोंगरी तक ले गई। महिषा द्वंद्व पहाड़ी में, महिषासुर मर्दिनी एवं महिषासुर राक्षस के बीच अंतिम महिषासुर संग्राम हुआ था।

लोकवाद्य

टीकेश्वर सिन्हा ' गब्दीवाला '

सब ले महत्वपूर्ण बाजा आय दफड़ा

दफड़ा ल दफरा या डफरा घलव कहे जाथे। येहा वृत्ताकार यानी चन्नी के अकार के होथे। लकड़ी के गत्ता जेन ह चार पांच इंच चौड़ा अउ करीबन आधा इंच मोटा होथे। ओहि बनावट चांग कहलाथे। येमा गाय या बोकरा के सुक्खा खड़री छवाय रहिथे। ये बाजा ह बिहातरा के प्रमुख माने जाथे। बिहाव नेग के मुताबिक सब ले पहली दफड़ा बाजा के बजई शुरू होथे। तहांन फेर दूसर बाजा शुरू बाजथे। दफड़ा के चमड़ा हिस्सा में पार्टी के नाव आऊ गांव लिखाय रहीथे। एकर बजइया ल दफड़ाहा कहे जाथे। येला खांद में अरो के लकड़ी या कमचिल ले बजाय जाथे। कोनो भी पारंपरिक बाजा के आधार आय दफड़ा। आज तक ये बाजा के जगा ल दूसर बाजा ह नी ले सके हे।

बोली भाषा विशेष

कमलेश यादव

बस्तरी बोली का ही चलन था पहले बस्तर में

प्राचीन रियासतकालीन बस्तर की खूबियों में बस्तरी बोली भी रही है। यह बोली लगभग विलुप्त हो चुकी है। इस बोली का क्षेत्र जगदलपुर तक ही सीमित था, इस बोली के बोलने वालों को बोलीदार और बस्तीदार के नाम से जाना जाता था। बस्तीदार नाम की इस बोली का दायरा सीमित ही था। इनका दायरा राजपरिवार तक ही ज्यादा होता था, क्योंकि सारा राजकाज इन्हीं पर निर्भर रहता था। राजा राजकाज की व्यवस्था संभालने के लिए अलग अलग क्षेत्रों से बुलाकर अपने अधीन रखा था। बस्तीदारों में धाकड़, पनारा, राऊत, कुड़ुक, धोबी, नाई, बंजारा, कायस्थ, तेली सहित राजपरिवार में किसी भी रूप से जुड़े लोग बस्तरी के अच्छे जानकार माने जाते थे। आजादी के बाद बस्तर आए गैर जनजातीय लोगों में शामिल मारवाड़ी, गुजराती, पंजाबी, मैथिल, ईसाई लोग बस्तरी के प्रयोग के बारे में कम ही जानते थे। इस बोली ने राजघराना में पर्याप्त सम्मान पाया था। बस्तर के जमींदार, कुंवर, मालगुजार, बैदार राजमहल के कर्मियों के लिए बस्तरी मातृ बोली जैसी थी। राजा रुद्रप्रताप देव के शासन काल में बस्तरी बोली को काफी महत्व मिला।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भितिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

लोक चित्र

स्वाति आनंद

जनजातीय जीवन कला में भील लोक चित्र

जनजातीय या कहे आदिवासी समाज का आध्यात्मिक जीवन गहरे मिथकों से जुड़ा होता है। यह मिथक बाह्य दृष्टि से भले ही सरल, रहस्यमय अथवा अव्यवस्थित प्रतीत हों, परंतु उनके भीतर जीवन के गहन अर्थ और आस्थाएँ निहित होती हैं। इन्हीं मिथकों के आधार पर जनजातीय जीवन संचालित और मर्यादित होता है। मिथक उनके लिए केवल कथाएँ नहीं, बल्कि ज्ञान, नैतिकता और परंपरा के संवाहक होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक परंपरा के माध्यम से हस्तांतरित होते रहते हैं। कितनी पीढ़िया से न जाने हमने अपनी कथाओं में जीवन दर्शन को सहेज कर रखा है जो हमें सिर्फ नियम के साथ प्रकृति से जुड़ना ही सिखाती है, जल जंगल जमीन यह सिर्फ आदिवासी समझ ही क्यों करता है क्या विशिष्ट समाज को इसे सहेजने की जरूरत नहीं महसूस पड़ती हमने अपनी आज फिर चेतना में जल जंगल जमीन के प्रति अपने कर्तव्य को कल के माध्यम से भी सहेजना सीखा है।

जनजातीय कला इसी मिथकीय चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति है। यह कला किसी प्रदर्शन या विलास की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन की सहज आवश्यकता है। चित्रकला, नृत्य, संगीत, शिल्प अथवा लोकगीत—सभी कलारूप उनके दैनिक जीवन से गहराई से जुड़े होते हैं। जनजातीय चित्रों में पशु-पक्षी, वृक्ष-वनस्पतियाँ, सूर्य, चंद्रमा और मानव आकृतियाँ बार-बार दिखाई देती हैं, क्योंकि यही उनका संसार है, यही उनकी स्मृति और अनुभव का विस्तार है। इन कलाओं में यथार्थ का हूबहू चित्रण नहीं, बल्कि स्मृति और अनुभूति का चित्रांकन होता है। रंगों और रेखाओं का प्रयोग प्रतीकात्मक होता है—उजले, गाढ़े और चटख रंग जीवन की ऊर्जा और उल्लास को व्यक्त करते हैं। जनजातीय कलाकार किसी बड़े-बड़े चित्रकारों की तरह प्रशिक्षित नहीं होते, फिर भी उनकी कला में मौलिकता, संतुलन और लय का अद्भुत सौंदर्य दिखाई देता है।जनजातीय समाज में परंपरा और कला सबके लिए समान रूप से सुलभ होती है। यहाँ कला किसी एक वर्ग या व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती। यही कारण है कि जनजातीय संस्कृति को लोकधर्म की संज्ञा दी जा सकती है—एक ऐसा धर्म, जहाँ कला, विश्वास और जीवन एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। कला यहाँ स्वतंत्र सत्ता न होकर जीवन की अभिव्यक्ति है।

इस प्रकार जनजातीय कला और जीवन हमें यह सिखाते हैं कि सृजन का मूल उद्देश्य केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि जीवन के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आधुनिक सभ्यता के यांत्रिक और उपभोक्तावादी दृष्टिकोण के बीच जनजातीय कला हमें प्रकृति, परंपरा और मानवीय संवेदना से जुड़ने का मार्ग दिखाती है।

ऐतिहासिक : डा रमेंद्रनाथ मिश्र

इतिहास म दर्ज रायपुर शहर के गौरव काल

सन 1877 ले 1879 तक के बेरा आय जऊन रायपुर बर बड़ गौरव के बात आय। 14 ले 16 बछर के उमर म नरेन्द्रनाथ दत्त के मन में जउन विचार चिंतन छत्तीसगढ़ में रहीके अइस, इहां के पहाड़, नदिया, मंदिर ल देख के सोचीन, गुनीन संग म मंदरस माछी के छत्ता ल बइला गाड़ी म आत जात रद्दा म जब पहाड़ में देखीस त उकर मन में विचार आय रीहिस , जउन उनकर चिंतन, दर्शन के रद्दा डहर आगू चल के लेगिस अइसन सियान मन गोठियइन। अपन ददा के संगवारी मन के बैठक संग संगीत के गोठबात म इहु रहीके गोठियाय, सब झन ल ताजुब लगय के अतका बड़ लइका दुनिया भर के गोठ ल कहां ले अउ कइसे जानथे। उनकर ददा ह वकील रीहिन अउ छत्तीसगढ़ मुकदमा के सिलसिला में आय रीहिन। रायपुर ह एक जमाना म बड़ सुघर शहर रीहिस। सात समुंदर पार ले जउन घूमैया फिरैया मन आवय ओमन बड़ प्रशंसा करे , जइसे ब्लंट, बेगलर, साधु चरणदास।

लोकगीत

गौकरण मानिकपुरी

लोकप्रिय ददरिया गीतों में प्रतीक का प्रयोग

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों विशेषकर ददरिया गीतों में प्रतीकों का प्रयोग अधिकतर होता है। ददरिया मुख्य रूप से युवक युवतियों का श्रृंगार गीत है। इसमें श्रृंगार एवं काम संबंधी अनेक चेष्टाओ की अभिव्यक्ति प्रतीकों के माध्यम से की गई है। छत्तीसगढ़ी लोक गीतों में शरीर के लिए हाऊला -घड़ा, तथा सोने के लिए पिंजरा जैसे परंपरागत प्रतीकों के अतिरिक्त नवा सड़क तथा वृक्ष आदि भी प्राप्त होते हैं। शरीर के लिए घर का प्रयोग भी अनेक गीतों में प्राप्त होता है। परंतु एक गीत में पंचतत्व से निर्मित शरीर के लिए पांच रुपइया के घर जैसी सुंदर एवं सार्थक अभिव्यक्ति भी प्राप्त होती है। यौवन के लिए पानी का प्रयोग अनेक स्थानों पर होता है। इन गीतों में प्रेम का प्रतीक फूल है तथा बाधाओं का कांटा खूंटी। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि छत्तीसगढ़ी लोक गीतों का भाव पक्ष एवं कला पक्ष दोनों समान रूप से सशक्त है। इनका भाषा सौष्ठव, अलंकार योजना, छंद चयन प्रतीकों का प्रयोग रस विधान तथा कल्पना की उड़ान किसी भी साहित्य के लिए गर्व की वास्तविक हो सकती है।

सुरता: स्वराज्य करुण

आज से लगभग 120 वर्ष पहले उनके द्वारा लिखित नाटक 'कलिकाल' को छत्तीसगढ़ी भाषा का पहला नाटक माना जाता है, जो वर्ष 1905 में प्रकाशित हुआ था। साहित्यकार होने के साथ-साथ पाण्डेय जी उपन्यासकार, इतिहासकार और पुरातत्वविद भी थे। पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय का जन्म महानदी के किनारे स्थित ग्राम बालपुर में 4 जनवरी 1887 को हुआ था। उनका निधन 8 नवम्बर 1959 को हुआ।

पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय ने लिखा पहला छत्तीसगढ़ी नाटक

छत्तीसगढ़ की महान साहित्यिक विभूतियों में पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय का नाम अमिट अक्षरों में दर्ज है। आज से लगभग 120 वर्ष पहले उनके द्वारा लिखित नाटक 'कलिकाल' को छत्तीसगढ़ी भाषा का पहला नाटक माना जाता है, जो वर्ष 1905 में प्रकाशित हुआ था। साहित्यकार होने के साथ-साथ पाण्डेय जी उपन्यासकार, इतिहासकार और पुरातत्वविद भी थे। पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय का जन्म महानदी के किनारे स्थित ग्राम बालपुर में 4 जनवरी 1887 को हुआ था। उनका निधन 8 नवम्बर 1959 को हुआ। उनका गाँव बालपुर पहले बिलासपुर जिले में था, जो अब जांजगीर-चाम्पा जिले में स्थित है और रायगढ़ जिले से भी लगा हुआ है। पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय, आधुनिक हिन्दी कविता में छायावाद के प्रवर्तक के रूप

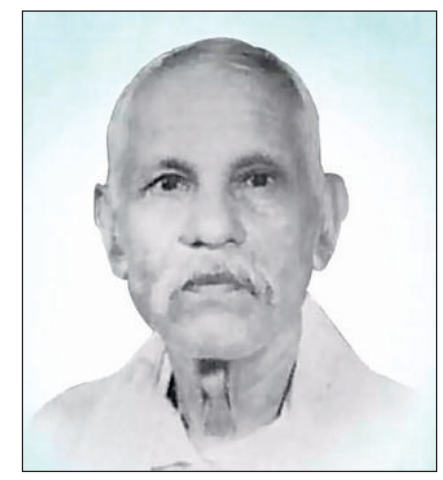

में प्रसिद्ध हुए। लोचन प्रसाद जी हिन्दी, छत्तीसगढ़ी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी और ओड़िया भाषाओं के विद्वान थे। विभिन्न साहित्यिक विधाओं में उनकी लगभग 40 पुस्तकों का प्रकाशन हुआ, जिनमें तीन ओड़िया भाषा और चार अंग्रेजी भाषा की पुस्तकें भी शामिल हैं। आप इतिहास और पुरातत्व के भी गंभीर अध्येता थे। उन्होंने वर्ष 1923 में छत्तीसगढ़ गौरव प्रचारक मंडली की स्थापना की, जो आगे चलकर महाकोशल इतिहास परिषद के रूप में विकसित हुई। छत्तीसगढ़ के इतिहास और पुरातत्व को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए उन्होंने निरंतर शोध और परिश्रम किया। पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य, इतिहास और सांस्कृतिक चेतना के ऐसे स्तंभ थे, जिनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

03- FEB- COR- MAIN- Pg- 9 SODKU-KHEL_Layout 1 2/3/2026 9:31 PM Page 1

अजेय टीम इंडिया की अफगानिस्तान से टक्कर, फाइनल पर टिकीं निगाहें

एजेंसी ▶▶| हरारे

अब तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। इस प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है, जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। इस तरह से भारत रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीतने की दिशा में बुधवार को एक कदम और आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनलः आज दोपहर 1 बजे से भारत और अफगानिस्तान में भिड़ंत

भारत का अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

भारत ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान को कम करके आंकने की गलती नहीं करेगी। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी। लेकिन खिलाड़ियों की फॉर्म और खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।

टीमें इस प्रकार

- भारत अंडर-19: आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।
- अफगानिस्तान अंडर-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

अच्छी फॉर्म में वैभव

विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। बड़े-बड़े शॉट खेलने में माहिर सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन) भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अपने अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा (पांच मैचों में 172 रन) एक और भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक (109 नाबाद) लगाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से छह विकेट लिए हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है।

विदेशी टीमों में भारतीय मूल के 3 दर्जन से अधिक क्रिकेटर

जसप्रीत से लेकर दिलप्रीत तक, टी20 विश्वकप में विदेशी टीमों के लिए खेलेंगे भारतीय मूल के प्लेयर्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 विश्व कप में कई टीमों में भारतीय मूल के क्रिकेटरों की भरमार है, जो 7 फरवरी से होने वाले टूर्नामेंट में अपनी 'घरेलू धरती' पर प्रभाव छोड़ने के लिए पुरजोर कोशिश करेंगे। विदेशी टीमों में भारतीय मूल के तीन दर्जन से भी अधिक क्रिकेटर हैं, जिनमें कनाडा और अमेरिका सबसे आगे हैं। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर जैसे खिलाड़ी के लिए वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेलना एक यादगार पल होगा। जिस देश में उन्होंने जन्म लिया वह उसकी तरफ से तो नहीं खेल पाए लेकिन अपने बचपन की इस धरती पर वापसी के लिए भावुक हैं। फगवाड़ा में जन्मे इटली के तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह भी उस देश में शीर्ष स्तर की क्रिकेट खेलने के लिए बेताब हैं, जिसे उन्होंने किशोरावस्था में ही छोड़ दिया था। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त का जन्म भारत में नहीं हुआ, लेकिन वह भी अपने मूल देश में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

कनाडा टीम में भारतीय मूल के सबसे अधिक खिलाड़ी

आईसीसी की इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 20 टीमों में कनाडा (11) की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक है। उसके बाद अमेरिका (09), ओमान (07) और यूएई (07) का नंबर आता है।

कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा

गुरदासपुर में जन्में बाजवा 2020 में ही कनाडा गए थे और छह साल बाद वह कनाडा की टीम के कप्तान के रूप में भारत आए हैं। पंजाब में आयु वर्ग की क्रिकेट में ढेरों रन बनाने के बावजूद बाजवा को वह अवसर नहीं मिले जिनकी उन्हें उम्मीद थी। उन्होंने हालांकि निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और कम प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी क्रिकेट यात्रा जारी रखी। कनाडा ग्लोबल टी20 लीग में मिली सफलता से उन्होंने कनाडा की टीम में जगह बनाई और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

नीदरलैंड टीम में आर्यन दत्त

आर्यन दत्त को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का अनुभव है। नीदरलैंड की टीम में भारतीय मूल के एकमात्र क्रिकेटर 22 वर्षीय आर्यन दत्त का लक्ष्य प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करके शीर्ष टीमों को हैरान करना है। दत्त का परिवार 1980 के दशक में पंजाब से नीदरलैंड चला गया था। भारत में अब भी उनके परिवार के कुछ सदस्य रहते हैं।

भारतीय मूल के क्रिकेटर जो छोड़ सकते हैं प्रभाव

अमेरिका के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट खेल चुके अमेरिका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नेत्रवलकर विश्व कप के पहले मैच में भारत का सामना करने के लिए मुंबई पहुंच चुके हैं। उन्होंने पिछले विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम करने वाले इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछली बार बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था, जिससे अमेरिका की टीम ने पाकिस्तान जैसी टीमों को हराकर सुपर आठ के लिए क्वालीफाई किया था। नेत्रवलकर भारत की अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर खेलने के लिए बेताब हैं।

अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल

मोनांक पटेलः भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिका की कप्तानी आनंद में जन्मे मोनांक पटेल करेंगे, जिन्होंने पिछले विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच विजेता अर्धशतक लगाकर अपनी छाप छोड़ी थी। यह 32 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गुजरात अंडर-19 टीम के अपने पूर्व साथी जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए उत्सुक है। वह मैदान के बाहर अपने बचपन के दिनों को याद कर रहे हैं। बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं और मोनांक को किशोरावस्था में ही इसका पता चल गया था।

फगवाड़ा में जन्मे जसप्रीत सिंह

फगवाड़ा में जन्मे जसप्रीत सिंह पर भी लोगों की निगाहें टकी रहेंगी। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी 2006 में अपने परिवार के साथ इटली के मिलान चला गया था। उन्होंने इटली में टेप-बॉल क्रिकेट से अपने करियर की शुरुआत की और 2016-17 में लाल गेंद की क्रिकेट में कदम रखा और फिर 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।

शीर्ष पर सबालेंका, तीसरे स्थान पर पहुंचे जोकोविच

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कार्लोस अल्काराज से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में हारने वाले 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में सिनर को हराने वाले जोकोविच एक पायदान ऊपर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अगस्त 2024 के बाद पहली बार शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं। डब्ल्यूटीए टूर पर एरीना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रयबाकिना से हारने के बावजूद अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है। रयबाकिना रैंकिंग में दो स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान पर तीन

अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली एलिना स्वितोलिना दो पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

BAJAJ FINANCE

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः मुंबई - पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे - 411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें ("टी एण्ड सी") वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे - gold.auction@bajajfinserv.in

(11-03-26) अंबिकापुर - अंबेडकर चौक; PLI4GOL15796640, 16004937. भिलाई - जीई रोड; PBX2GOL15807567, 15906814, 16033432, 16054708, 16053725. (12-03-26): भिलाई - कृष्णा थिएटर रोड; PMM8GOL15809052. भिलाई - स्मृति नगर; PLL2GOL16051549, 16106899. (13-03-26) बिलासपुर - अग्रसेन चौक; PGJ8GOL15736983, 15752003, 15784890, 15783527, 15784536, 15800133, 15800741, 15937346, 16059384. बिलासपुर - सरकंडा; P42HGOL15848038. दुर्ग - महाराजा चौक; PMW4GOL15586725, 15889871. (16-03-26) दुर्ग - स्टेशन रोड; P08IGOL15715323, 15801290, 15895880, 15940487. कटघोरा - BGL; P25EGOL15583485, 15659816, 15701210, 15769036, 15782498, 15786867, 15808175, 15812929, 15850398, 16049503, 16098506. (17-03-26) कोरबा - सीएसईबी चौक; PEQ2GOL15593194, 15603381, 15603444, 15733520, 16047530, 16139793. कोरबा - कोसाबाड़ी; PLI5GOL15962560. (18-03-26) मनेंद्रगढ़ - BGL; PV99GOL15622919, 15712058, 15711000, 15761805, 15799940, 15806513, 15872896, 15993045, 16047961. रायपुर - जीई रोड; PCZ6GOL16038997. (19-03-26): रायपुर - पचपेड़ीनाका; PLI9GOL16077659. रायपुर - पियांक टावर; PEN5GOL15638466, 16035496. (20-03-26) रायपुर - तेलीबांधा रोड; PF45GOL15575744, 15695250, 15696661, 15776230, 15804284, 15801570. राजनांदगांव- जीई रोड; PEN6GOL15806059, 16030114.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

हमारा ध्यान विश्व कप जीतने पर : मार्श

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श को पाकिस्तान के भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने और बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने इन दोनों मसलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उनका पूरा ध्यान इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने पर है।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वर्ल्ड कप मिस करने पर कमिंस ने कहा, 'मेरे पास समय ही नहीं बचा था

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होने की इच्छा से भी प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा। कमिंस ने कहा, 'यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।' उन्होंने कहा, ''एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में अगस्त से शुरू होगा व्यस्त कार्यक्रम

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का व्यस्त कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और वनडे के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। ऑस्ट्रेलिया इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा।

भारत को विश्व कप में हराना मुश्किल : क्लिंगर

वडोदरा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और अब कोच माइकल क्लिंगर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन से पता चलता है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में आखिर क्यों गत चैंपियन को हराना बहुत मुश्किल होगा। डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात जाइंट्स के मुख्य कोच क्लिंगर के अनुसार भारत का आक्रामक शीर्ष क्रम उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत टीम बनाता है। क्लिंगर ने कहा, 'जिस फॉर्म में वे हैं और मैंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ, जो देखा उससे भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा।

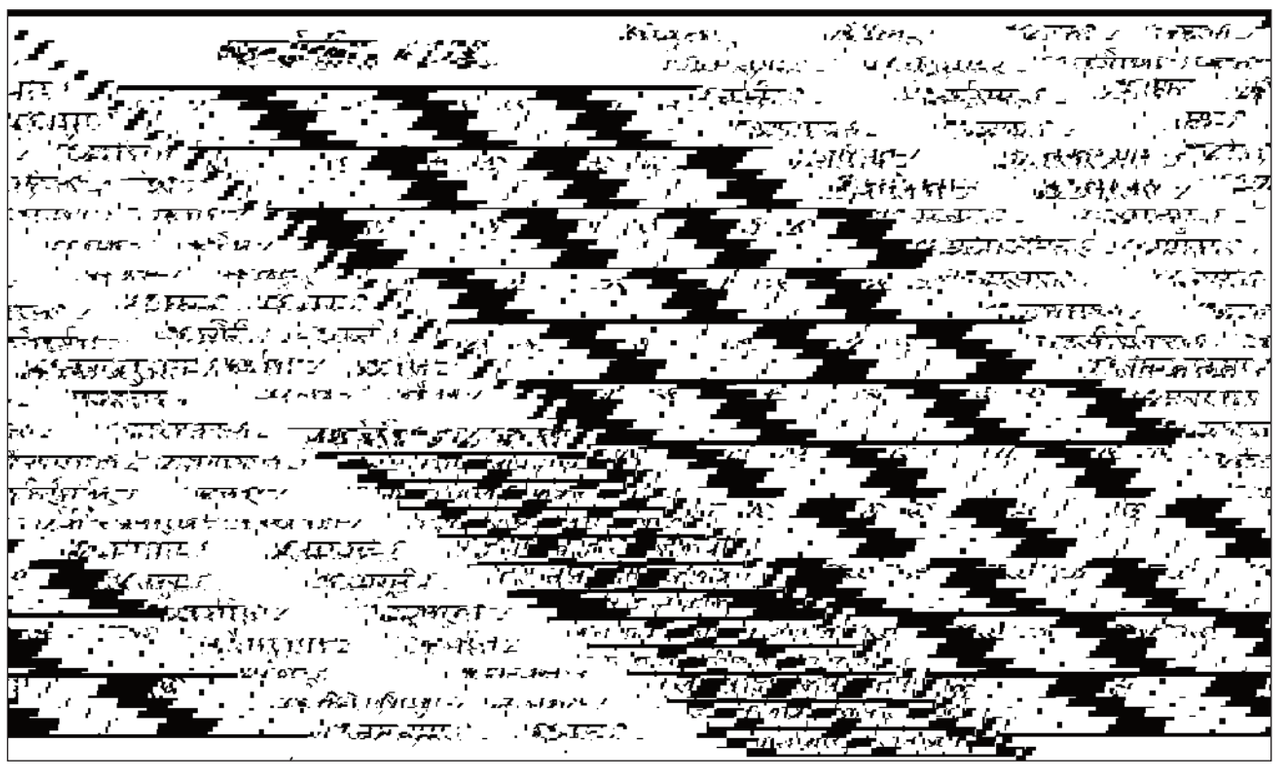

सूडोकु नवताल - 6138

कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6137 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

पिछली सरकार ने...

डा. हिमांशु- दो चीजें होती हैं, एक होती है डू, एक होता है डोंट. यह हम करेंगे, यह हम हरगिज नहीं करेंगे। पिछली सरकार ने ऐसा क्या था, जब आप घूम रहे थे गांव-गांव, डगर-डगर.., आपने कहा यह काम आप नहीं करेंगे, जो यह कर रहे हैं।

अरुण साव- हमने यह कहा था कि हम गरीबों के साथ न्याय करें। वो सरकार अन्याय कर रही थी, आवास रोक रही थी। वो सरकार किसानों को धोखा दे रही थी। वो हम नहीं करेंगे, कहे थे। हमने कहा था कि विकास जो अवरुद्ध हो गया है, वैसा हम नहीं करेंगे। हम गांव और शहरों में विकास करेंगे, वो कर के दिखाया है। मैं आपको लंबी फेहरिस्त गिना सकता हूं, जो हमने पिछली सरकार की आलोचना की। उन सारी कमियों को दूर करने का काम हमने किया है।

डा. हिमांशु- क्या कमी थी सरकार में, लोगों के लिए काम किया, यह दावा है कि उन्होंने कमाल का काम किया है। कुछ चक्कर चला दिए, इस चक्कर में उनकी सरकार नहीं बनी।

अरुण साव- छत्तीसगढ़ की जनता भोलीभाली जरूर है, पर छत्तीसगढ़ की जनता जितनी समझदार है, इतनी सहजता से, आपके एक हौवा बनाकर रखा हुआ था, धरातल में कुछ नहीं था। आपने क्या क्या सपने दिखाए, कहीं कुछ नहीं धरातल में। आज यहां 18 लाख गरीबों के सपने साकार हुए हैं आवास से, परिवारों को उनका आशियाना दिया, जो पिछली सरकार ने रोका था। इससे बड़ा पाप तो कुछ हो नहीं सकता। आपने किसानों को धोखा दिया, इससे बड़ा पाप तो हो नहीं सकता। पर आपको लगता था कि हम ही हम हैं, होर्डिंग में, चर्चा में। छत्तीसगढ़ की जनता धरातल में काम देखती है। गांव के लोग तरस गए थे थोड़े से काम के लिए, एकाध काम मिल जाए। गांव में काम नहीं हुआ, नल की टोटी बदलने के लिए सरकार पैसा नहीं देती थी, पार्षद अपने घर से अपने जेब के पैसे से नल की टोटी बदलता था। आज सुव्यवस्थित विकास हो रहा है। पहली बार 7 निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला स्वच्छता में। आज शहरों में काम हो रहा है, शहर आगे बढ़ रहे हैं। सिटी डवलपमेंट प्लान बनाया है। उस प्लान के अनुरूप काम हो रहा है।

अमेरिकी ट्रेड डील...

निर्यात को और प्रोत्साहन मिलेगा। सीतारमण ने कहा कि नए बाजारों तक पहुंच और इस शुल्क कटौती को मिलाकर देखा जाए तो आने वाले समय में भारत का निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने कहा, इन दोनों को एक साथ रखकर देखें तो अब निर्यात में तेजी आएगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के बाद शेयर बाजारों में जबर्दस्त उछाल दर्ज हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक निवेशकों की संपत्ति में करीब 13 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। **सेक्टोरल सपोर्ट उछाल का कारण बना-** वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत सेंसेक्स में इस बड़ी उछाल के मुख्य कारणों में से एक थे। एशियाई और अमेरिकी बाजारों की मजबूती घरेलू शेयर बाजार में साफ तौर पर दिखी। इसके अलावा, बैंकिंग शेयरों में स्थिर ब्याज दरों की उम्मीद और आईटी कंपनियों के लिए बेहतर मांग के आउटलुक ने बाजार को सपोर्ट दिया। मेटल और इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरों में भी खरीदारी देखी गई, जिससे कुल मिलाकर सेंसेक्स को व्यापक सपोर्ट मिला। सभी शेयर हरे निशान में ट्रेड कर रहे थे, सिर्फ आईटीसी लाल निशान में था।

कृषि और डेयरी सहित अन्य क्षेत्रों की रक्षा की- गोयल-
गोयल ने कहा कि समझौते में कृषि और डेयरी जैसे प्रमुख संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की गई है, और हितों से समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने कृषि और दुग्ध उत्पादन दोनों की रक्षा की है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने भारत को क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी से बचाया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि अमेरिकी व्यापार समझौते में कृषि और दुग्ध उत्पादन को संरक्षण मिले।

राहुल गांधी नकारात्मक सोच के प्रतीक- गोयल-
गोयल ने आगे कहा, राहुल गांधी नकारात्मक सोच के प्रतीक हैं और उनके साथ जुड़कर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जिस तरह से नकारात्मक सोच फैला रहे हैं, उसकी निंदा की जानी चाहिए। क्या राहुल गांधी को देश से विकास से मिर्ची लगती है। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी सेना पर कम विश्वास करते हैं और सवाल उठाते हैं, भारत के उद्योग जगत के भविष्य को खराब करना चाहते हैं।

युवाओं-उद्यमियों के लिए अपार अवसर : शाह-
नयी दिल्ली, तीन फरवरी (भाषा) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए मंगलवार को कहा कि यह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगा और इससे व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे तथा परस्पर विकास को बढ़ावा मिलेगा। शाह ने 'एक्स' पर कहा कि यह समझौता हमारे युवाओं और उद्यमियों के लिए अपार अवसरों के मार्ग खोलेगा।

अमेरिका को भारतीय निर्यात में तेजी आएगी: सीतारमण-
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इससे अमेरिका को होने वाले भारतीय निर्यात को और प्रोत्साहन मिलेगा। सीतारमण ने कहा कि नए बाजारों तक पहुंच और इस शुल्क कटौती को मिलाकर देखा जाए तो आने वाले समय में भारत का निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने कहा, इन दोनों को एक साथ रखकर देखें तो अब निर्यात में तेजी आएगी।

यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी- एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक तेजी से बढ़ा और लगभग 7 प्रतिशत उछला। जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोपीय बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी, एशियाई व यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। **निफ्टी 50 भी मजबूती से ट्रेड कर रहा है-** सेंसेक्स के साथ-साथ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 50 इंडेक्स भी मजबूती से ट्रेड कर रहा था। निफ्टी 50 ने 25,772 का आंकड़ा पार किया, जिसमें लगभग 684 अंकों की बढ़ोतरी हुई। बैंकिंग, आईटी और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी ने निफ्टी को सपोर्ट दिया। बाजार की चाल में मजबूत रही, ज्यादातर स्टॉक हरे निशान में बंद हुए। इससे पता चलता है कि मौजूदा रैली कुछ चुनिंदा शेयरों तक ही सीमित नहीं है। **भविष्य की चाल पर है निवेशकों की नजर-** हालांकि यह रैली निवेशकों के लिए राहत भरी रही है, लेकिन एक्सपर्ट्स आने वाले सेशन में सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। ग्लोबल आर्थिक डेटा, कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी निवेशकों की गतिविधि आने वाले दिनों में बाजार की दिशा तय करेंगे।

फिलहाल, सेंसेक्स और निफ्टी में दिख रही मजबूती ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है, जिससे बाजार का माहौल पॉजिटिव बना हुआ है।

पूर्व मंत्री कवासी...

हुआ है। शराब घोटाले की अवैध कमाई में लखमा के साथ कई सिंडिकेट में शामिल नेता, कारोबारी और आबकारी विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं। इस अवैध कमाई से लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए कमीशन भी मिलता था।

कुत्ते को बचाने...

कुत्ते को बचाने के चक्कर में कार बेकाबू हो गई और सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार चला रहे व्यापारी भूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, पत्नी और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार लॉक हो गई थी। ऐसे में घायल अवस्था में मां और बच्चे कार में फंसे रहे।

चीन में चल...

भविष्य पर हरिभूमि से विशेष चर्चा की। भविष्य की कारों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, दुनिया तेजी से बदल रही है। ये हो सकता है कि भविष्य में उड़ने वाली कार आए। फंतासी फिल्मों की तरह कारें हकीकत में बदल जाए, इसकी संभावना से इनकार नहीं कर सकते हैं। ड्राइवलेस कारों की कभी कल्पना की जाती थी, अब ये आ गई हैं।

80 प्रतिशत लग्जरी...

की चाह में कम उम्र में ही लोग कार खरीदने लगे हैं। भले ही इसके लिए उन्हें फाइनेंस का सहारा क्यों ना लेना पड़े। यही वजह है कि मर्सिडिज जैसी बड़ी कंपनियां भी आसानी से फायनेंस उपलब्ध कराती हैं। जिन गाड़ियों की हाल-फिलहाल में बिक्री हुई है, उनमें से 80 प्रतिशत गाड़ियां फायनेंस वाली ही हैं। इंस्टाग्राम रिल्स, सोशल साइट्स के बढ़ते प्रभाव के कारण हम सभी प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी सुनिश्चित करने की कोशिश करते हैं।

भारत में ग्राहकों...

रचनात्मकता दिखाते हुए बेंच मार्क सेट करना अधिक महत्वपूर्ण है।

अब दो दिन...

मुख्यमंत्री के इस निर्णय पर अब राज्य शासन द्वारा आगामी दो दिवस 5 और 6 फरवरी को राज्य के ऐसे किसान जो पंजीकृत हैं और जिनका टोकन कट चुके है, उन किसानों का धान खरीदा जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के वास्तविक किसानों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से धान खरीदी केन्द्रों में पारदर्शी व्यवस्था शुरू की थी जो सार्थक सिद्ध हुआ है। 15 नवम्बर से शुरू धान खरीदी के तहत 31 जनवरी तक 25 लाख 11 हजार से अधिक किसानों से लगभग 140 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को 33 हजार 149 करोड़ रुपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया जा चुका है। सरकार द्वारा धान खरीदी की तिथि बढ़ाये जाने से अब उन छूटे हुए किसान भी सुगमतापूर्वक अपना धान बेच सकेंगे।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति तुरन्त सम्पर्क करें- बादशाह सेफ्टी सर्विसेज, दुकान नम्बर 35, जवाली नाला मध्य नगरी चौक, बिलासपुर 74152 93153 (39843)

आवश्यकता है-अनुभवी प्रशिक्षित (रिसेप्शन/ कम्प्यूटर) स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें-अर्पण शुगर क्लीनिक, होमगार्ड ऑफिस के सामने, कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 84353 60206 (39844)

आवश्यकता है-14 चक्का डाला बॉडी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 30000 हैवी ड्राइविंग लाइसेन्स आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 9685758881, 7000056718 (39835)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रीकल्स दुकान में कार्य हेतु लड़कों एव रिपेयरिंग साईड कार्य, वायरिंग, फिटिंग हेतु आवश्यकता है रहने की सुविधा सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (39842)

आवश्यकता है-मेन्स वियर में काम करने हेतु सेल्समैन चाहिए (कॉलिंग समय सुबह 11:30 से शाम 7बजे) नोट- केवल अनुभव लड़के ही सम्पर्क करें- यूनिक फैशन, शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 9303159900, 9630110824 (39839)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए बीएससी नर्सिंग स्टाफ, ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम, रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9981970853 (39838)

आवश्यकता है-प्यूनिफॉर्म टेक्समार्ट बिलासपुर में टेलर (दर्जी 8), डेटा एंट्री ऑपरेटर (2), मशीन ऑपरेटर प्रेस (2), हाउस कीपिंग (1 महिला, 1 पुरुष) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्यूनिफॉर्म गार्डन के पास, R3 महामाया विहार, वेयर हाउस रोड, बिलासपुर 9111002777, 8711887744 (39817)

आवश्यकता है ड्राइवर
की आवश्यकता है जिसको कार चलाना एवं 407/ माजदा चलाना आता हो, जिसके पास ड्राइविंग लाइसेन्स हो एवं किसी भी प्रकार का नशे की आदत ना हो।
आवेदक अपने बायोडाटा के साथ निम्न पते पर सम्पर्क करें
जे.डी. फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
सेक्टर सी-7, सिरगिट्टी इंडस्ट्रीयल एरिया, शिवम् मोटर्स के पीछे, बिलासपुर
9993096225, 9993520540

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने हेतु मिस्त्री, हेल्पर एवं रोटी बनाने तथा बर्तन धोने हेतु बाई की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- फुड जोन ईदगाह रोड बिलासपुर 9039791624 (39840)

आवश्यकता है- प्लाईवुड शोरूम में सेल्स एंड मार्केटिंग पर्सन, ऑफिस कार्य हेतु टेलीकॉलर शिक्षित, लड़के, लड़कियां चाहिए। वेतन 10000 से 50000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य। रिज्यूम व्हाट्स एप्प करें- 9608777772, अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें-एस.एस. प्लाईवुड महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर (561)

आवश्यकता है-बिलासपुर, मंगला, तेलीपारा, पुराना बस स्टैण्ड सरकंडा कोनी सिरगिट्टी परसदा, तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें-95893 16942, 9993336942 (39837)

आवश्यकता है-होटल, रेस्टोरेंट में काम करने हेतु मिस्त्री खाना नमकीन, हेल्फर, वेटर, रोटी बनाने वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की व्यवस्था सम्पर्क करें- अशोक नगर बिलासपुर 99077 48408, 9300810110 (39831)

आवश्यकता है-प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में प्रचार प्रसार हेतु लड़के चाहिए बिलासपुर कोटा, लोरमी, मुंगेली, बिल्हा, मस्तूरी, पथरिया, रतनपुर सैलरी 10000+ पेट्रोल 3000 पता- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 88895 80567, 9302158989 (39807)

आवश्यकता है-गुप्ता इलेक्ट्रीक ऑटो में 4 सेल्स स्टाफ की आवश्यकता है ग्रैजुएट, अनुभवी व्यक्ति आवेदन करें वेतन 8000 से 15000 योग्यता अनुसार पता स्टारबक्स के सामने व्यापार विहार, बिलासपुर 83196 90994, 7000467487 (39845)

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट, माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियां एवं ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक सम्पर्क करें- गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827122105 (39820)

आवश्यकता है-एजेन्सी कार्य हेतु छोटा हाथी ड्राइवर एवं आटो चलाने हेतु आटो चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- महावीर एजेन्सी, MIG-45 नेहरु नगर रोड सांई मन्दिर के पास बिलासपुर 98930 56083, 9755885780 (39829)

आवश्यकता है-थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नम्बर-5, कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9691432300 (39824)

आवश्यकता है-मिठाई एवं नास्ता बनाने वाला हलवाई मिस्त्री की आवश्यकता है एवं होटल में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर 93005 21234 (39809)

आवश्यकता है-सेल्समैन, सेल्सगर्ल 4पद, फोल्डर 4पद, बिलिंग डिपार्टमेंट (पुरुष) 1पद, टेलर (पुरुष) 1पद की। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मेन रोड मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (39821)

आवश्यकता है-बेरोजगार युवा आज ही नौकरी पाइये पद- सिक्योरिटी गार्ड योग्यता-5वी से 12वीं पास ग्रेजुएट भी मान्य सुविधा रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन-9500 से 18000 प्रतिमाह लोकेशन- नया रायपुर, रायपुर, रायगढ़, आज ही कॉल करें और नौकरी पक्की करें 9201958117, 9201958118 (6547)

आवश्यकता है-Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के लड़कियां चाहिए, योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट उम्र 18-28, आय 10500 से 18000+ रहना, खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752337082 (39825)

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 78287 35534 (39785)

आवश्यकता है-होलसेल कपड़ा दुकान में काम करने हेतु कर्मचारी एवं टैली ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- टूटेजा क्लॉथ सिंडिकेट, श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9753000030 (39818)

आवश्यकता है-किताब दुकान में महिला/ पुरुष (दो शिफ्ट सुबह 10 से 3:30 एवं 3:30 बजे से रात्रि 9बजे) हेतु कर्मचारी चाहिए पता- विवेक बुक डिपो, गुरुद्वारा के सामने दयालबंद बिलासपुर 98933 78899 (39828)

आवश्यकता है-वेल्डर, हेल्पर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस बिलासपुर 9399343522, 99770 64997 (39823)

आवश्यकता है-बिलासपुर की रियल एस्टेट कम्पनी में आफिस एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। योग्यता (1) किसी भी विषय में स्नातक (2) रीयल एस्टेट में अनुभवी को प्राथमिकता (3) अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, वेतन योग्य उम्मीदवार हेतु कोई सीमा नहीं। सम्पर्क- 9630023355 (39811)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड वेतन 13000 सुपरवाइजर वेतन 15000 फील्ड अधिकारी वेतन 15000 आवास मुफ्त योग्यता अनुसार वेतन सम्पर्क करें-अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 77460 00019 (348)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रहकर कार्य करसके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए आयु 18से 30वर्ष वेतन 9000+कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085189675, 89620 00161 (528)

आवश्यकता है-आफिस, कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी आपरेटर, बागवानी कार्य हेतु मैनेजर, कार ड्राइवर, कुक, घरेलू कार्य, किराए के घर की देखभाल हेतु मैनेजर, कोर्ट कचहरी हेतु मुंशी चाहिए सम्पर्क करें- 8078280001 (39611)

आवश्यकता है-ई-रिक्शा ड्राइवर, रिसेप्शनिस्ट (फीमेल) जिसको टेलीकालिंग की जानकारी हो, मार्केटिंग का काम करने हेतु युवक, युवती सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, 7805884040 (39834)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए स्टाफ लड़के और लड़की की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशंकर इंटरप्राइजेज इलेक्ट्रॉनिक्स फर्नीचर शोरूम तेलीपारा बिलासपुर 9691169665 (509)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु युवतियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं,10वीं से ग्रेजुएशन वेतन 5000+ कमीशन सम्पर्क करें- विनोबा नगर बिलासपुर एवं व्यापार विहार बिलासपुर 9039234207 (508)

आवश्यकता है-हाईवा (10 चक्का) चलाने हेतु अनुभवी दो ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार हैवी लाइसेन्स वाले ही सम्पर्क करें- ग्राम देवरी कला, थाना सकरी बिलासपुर 99079 81801 (39822)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में माल निकालने जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (510)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-कृष्णा फुट वेयर होल सेल दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9907925025, 7987210064 (39836)

आवश्यकता है-होटल नटराज में काम करने के लिए अनुभवी हाउस कीपिंग एवं वेटर स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 99778 61508 (39813)

आवश्यकता है-ढाबा में काम करने केलिए वेटर हेल्पर तन्दूर मास्टर, कैप्टन की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर रोड बिलासपुर 70009 42962 9098976666 (39819)

किराया

किराया-दुकान और प्रथम तल, द्वितीय तल बिल्डिंग लोकेशन भैया जी होटल के बाजू में शिव टाकीज चौक, बिलासपुर में किराये से देना है सम्पर्क करें- 9425219796 (39830)

किराया-कोरबा बुधवारी बाजार के पास नेहरू नगर HIG4 स्किन केयर क्लीनिक के ऊपर प्रथम तल 1700 वर्गफुट गैरेज, लेटबाथ सुविधा युक्त व्यावसायिक उपयोग हेतु किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9826389894 (39826)

किराया-बिलासपुर मुंगेली नाका सर्किट हाऊस के सामने वर्मा टावर में प्रथम तल में फ्लैट दो बैडरूम, किचन, लेटबाथ, सर्वसुविधायुक्त, शासकीय कर्मचारी, छात्रो को किराये से देना है सम्पर्क करें- 9826389894 (39827)

हमारा आशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290

बेचना है

बेचना है-महाराणा प्रताप चौक के पास अज्ञेय नगर स्थित A सुपर डबल स्टोरी पूर्व मुखी मकान प्लाट साइज 2525 वर्गफुट प्राइम लोकेशन एक करोड़ 60लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9425540759 (39812)

बेचना है-सरकंडा बिलासपुर सीपत चौक महामाया चौक से 250 मीटर अन्दर प्राइम लोकेशन हॉस्टल हब में बहुत ही शानदार डाइवर्टेड 1600 वर्गफुट जमीन मौके पर जमीन 2500 वर्गफुट है बेचना है कीमत मात्र 3000/- वर्गफुट कृपया खरीददार ही सम्पर्क करें 9993865036 (39810)

बेचना है- वाद्य एकार्डियन मेड इन इटली 120 बेस ऐन्टीक, एकार्डियन मेड इन जर्मनी 48 बेस पुरानी ट्वाय एकार्डियन पुरानी बेचना है। साथ ही ब्रांड न्यू XPS 10, 30, 60 रोलेण्ड की बोर्ड, साथ ही न्यू एवं ओल्ड गिटार बेचना है सम्पर्क करें- आशीर्वाद वैली, हाईकोर्ट रोड L-3-95 बिलासपुर 78030 98408 (39815)

बेचना है-श्यामा विहार कालोनी बोदरी परसदा नया बस स्टैण्ड के पास 22×50= 1100 वर्गफीट डायवर्टेड प्लाट प्राईम लोकेशन में तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 88392 78711 (39798)

बेचना है-विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 (39752)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिलें
शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

HEALTH CARE	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल

विश्व कैंसर दिवस पर कृपया निम्नलिखित सावधानियों पर ध्यान दें:

- सभी प्रकार के तंबाकू, शराब सेवन से दूर रहें
- फल और सब्ज़ियों से भरपूर संतुलित आहार लें
- स्वस्थ वजन बनाए रखें और नियमित शारीरिक गतिविधि करें
- डॉक्टर की सलाह अनुसार नियमित कैंसर जाँच कराएँ
- तेज धूप से स्वयं को सुरक्षित रखें
- HPV एवं हेपेटाइटिस-B का टीकाकरण कराएँ

UNIT I
RAIPUR

UNIT II
RAIPUR

UNIT III
RAIPUR

WITH SHRIRAM CARE HOSPITAL
BILASPUR

WITH KALE HOSPITAL
JAGDALPUR

DR. PARIDA & VASUNDHARA BUILDERS
AMBIKAPUR

अब रायपुर में पहली बार टेली रोबोटिक सर्जरी

मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु के बड़े डॉक्टर
अब दूर बैठकर संजीवनी रायपुर के मरीज़ों का ऑपरेशन करेंगे
अत्याधुनिक टेली रोबोटिक मशीन से।

3डी–4के लैप्रोस्कोपी

रेडियोथेरेपी

PET स्कैन

स्पेक्ट गामा स्कैन

न्यूरो नेविगेशन

आईएचसी एवं फ्रोजन

Department of Surgical Oncology

Dr. Yousuf Memon
Director & Sr. Cancer Surgeon

Dr. Arpan Chaturmohta
HOD, Director, Sr. Cancer Surgeon

Dr. Mou Roy
Clinical Director, Sr. Cancer Surgeon

Dr. Vivek Patel
Sr. Cancer Surgeon

Dr. Kalyan Pandey
Sr. Cancer Surgeon

Dr. Vikash Agrawal
Senior Cancer Surgeon

Histopath, Frozen, I.H.C.

Dr. Parvati Joshi
Histopathologist

Dr. Amir Hussain
Pathologist

Dr. Annapurna Kumari
Pathologist

Medical Oncology

Dr. Aniket Thoke
Chemotherapy Specilaist

Dr. Ayush Dubey
DM, Medical Oncology

Hematology

Dr. Vikas Goyal
Hematology & Hemato-oncology

Dr. Adamya Gupta
DM, Hematology

Nuclear Medicine & Radiology

Dr. Vilash Meshram
Nuclear Medicine

Dr. Prashant Sahu
Radiologist

Dr. Sonali Thakur
Nuclear Medicine

Dr. Prasann Prasanth
Nuclear Medicine

Dept. of Critical Care & Anesthesia

Dr. Hiten Mistri
Anaesthesiologist

Dr. Rahul Goyal
Anaesthesiologist and Intensive Care MD

Dr. Vinod Ramavath
MD Anaesthesiology (AIIMS)

Dr. Vipin Chandrakar
MBBS, DA
Anaesthesiologist

Radiation Oncology

Dr. Ramesh Kothari
Radiation Oncologist

Dr. Satish Dewangan
Radiation Oncologist

Pain, Palliative Medicine

Dr. Avinash Tiwari
Pain and Palliative Medicine Specialist

Dr. Nalnesh Sharma
Physiotherapist Clinical Rehabilitation

Plastic Surgery

Dr. Anirudh Gupta
Plastic Surgeon

DAVDA COLONY, PACHPEDI NAKA, RAIPUR 7389905010, 04010, +91 7714081010, 4061010

10 महीने के बच्चे को चुभाई 600 सुइयां, चीन की मां का खौफनाक चेहरा

बीजिंग। चीन में एक 10 महीने के बच्चे के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। उस नन्ही जान के शरीर पर लगभग 600 सुई चुभोए गए हैं। और हैरान करने वाली बात ये है कि ये दरिंदगी किसी और ने नहीं बल्कि उसकी अपनी ही मां ने की है। हॉन्गकॉन्ग स्थित वेबसाइट साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) के मुताबिक, यह मामला दक्षिण-पश्चिमी चीन का है जहां सुइयां चुभोए जाने के बाद खराब हालत में दूधमुंहे बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बच्चे के शरीर पर सुई चुभोने के सैकड़ों निशान पाए गए। आरोप है कि बच्चे की मां ने ही उसे बार-बार सुई से गोदा। बच्चे के इलाज से जुड़ा एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसे 'स्पाइन सर्जन डॉ. सुई वेनयुआन' नाम के एक यूजर ने पोस्ट किया। सुई वेनयुआन शंघाई जियाओ तोंग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन से संबद्ध शिन्हुआ अस्पताल के स्पाइन सेंटर में वरिष्ठ डॉक्टर हैं। वीडियो में डॉक्टर सुई ने बताया कि यह भयावह मामला उनके सामने एक बाल रोग परामर्श के दौरान आया।

350 किलो की महिला ने घटाया था 199 किलो वजन

नई दिल्ली। लोगों का वजन जब 90-100 किलो हो जाए तभी उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। कहा जाता है मोटापा अपने आप में एक बहुत बड़ी बीमारी है, जो शरीर को अन्य बीमारियों का घर भी बनाती है। लेकिन सोचिए अगर किसी का वजन 350 किलो हो तो उसके लिए कुछ भी करना कितना मुश्किल रहता होगा? पढ़कर भी डर लगता है ना....लेकिन ऐसी एक महिला जिन्होंने अपना 350 किलो वजन कम करने की बहुत कोशिश की और लगभग अपना 199 किलो वजन कम कर भी लिया, लेकिन फिर भी जिंदगी की जंग हार गईं. ये महिला थीं चैरिटी पियर्स. कभी करीब 350 किलो वजन के साथ बिस्तर से उठना तक उनके लिए मुश्किल था, लेकिन हालात के आगे झुकने के बजाय जिंदगी की जिद ने उन्हें लड़ना सिखाया।

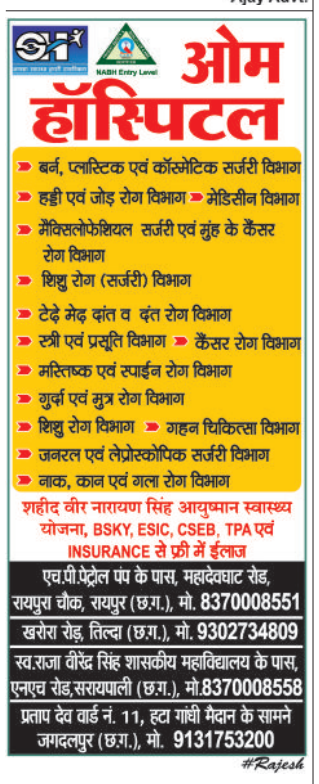

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com